सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 28 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 11 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस नक्सली मुठभेड़, जवानों ने बड़े नक्सल लीडर को घेरा

बीजापुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर बीजपुर जिले में सुबह से पुलिस नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। बताया जा रहा है कि नेशनल पार्क इलाके में कई नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। जवानों ने बड़े नक्सल लीडर को घेर रखा है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है।

बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि बीजापुर-गढ़चिरौली पर मुठभेड़ चल रही है। ऑपरेशन जारी है। हालांकि नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि नहीं की है। सर्च ऑपरेशन के बाद संख्या सामने आएगी। वहीं रविवार को गरियाबंद जिले में भी पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। पुलिस और नक्सलियों के बीच लगातार 4 घंटे फायरिंग हुई, लेकिन जंगल का सहारा लेकर नक्सली मौके से भाग निकले थे। फिलहाल सभी फरार नक्सलियों की सर्चिंग जारी है।

तीन आंगनबाड़ी केंद्रों में मिली लापरवाही, कारण बताओ नोटिस

रायपुर। आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में लापरवाही बरतने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी एलआर कच्छप ने तीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई बाल विकास परियोजना मुकड़ेगा अंतर्गत संचालित केंद्रों के औचक निरीक्षण के बाद की गई।

निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र लिबरा में बच्चों की उपस्थिति अत्यंत कम पाई गई तथा केंद्र परिसर में स्वच्छता का अभाव देखा गया। वहीं आंगनबाड़ी केंद्र कमरगा और मुडापारा निरीक्षण के समय पूर्णत: बंद पाए गए। इस पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ने गंभीरता बरतते हुए संबंधित कार्यकर्ताओं को 5 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने परियोजना अधिकारियों को भी यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण हो तथा बच्चों को समय पर पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

रायपुर में डीजे ड्राइवर-मालिक पर 60 हजार जुर्माना

रायपुर। रायपुर में नशे में डीजे गाड़ी चलाना एक ड्राइवर को भारी पड़ गया। पुलिस की जांच में ब्रेथ एनालाइजर मशीन ने उसकी सांस में 61 एमजी शराब पाई। कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए चालक और वाहन मालिक पर 60 हजार का जुर्माना लगाया है।

दरअसल, लाखे नगर चौक में देर रात पुलिस टीम पेट्रोलिंग पर थी, तभी एक माजदा डीजे वाहन लहराते हुए गुजरता दिखा। वाहन को रोककर ड्राइवर की जांच की गई, तो वह पूरी तरह नशे में पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि वाहन को बिना अनुमति मॉडिफाई किया गया था। डीजे सिस्टम को गाड़ी के बॉडी के बाहर वेल्डिंग से फिट किया गया था। वाहन का फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र भी समाप्त हो चुका था।

पुलिस ने आरोपी चालक और वाहन स्वामी के खिलाफ मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद वाहन मालिक बीना कौशिक पर 5 हजार और चालक गोपीराम मनहरे पर 55 हजार का जुर्माना लगाया।

मंत्रिपरिषद की बैठक 14 नवंबर को अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक 14 नवंबर 2025 को दोपहर 12 बजे से मंत्रालय महानदी स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष क्रमांक-एम-5/20 में आयोजित की गई है। बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।

दिल्ली में आईईडी से किया था धमाका!

ब्लास्ट में अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल, 12 हुई मरने वालों की संख्या

नईदिल्ली। राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके की जांच में नया खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह आईईडी बम धमाका था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि लाल किले के पास हुए विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया है। हालांकि इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं इस धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। 20 घायलों का इलाज चल रहा है। दो शवों की पहचान हो गई है। बाकी की पहचान डीएनए टेस्ट से की जाएगी।

पुलिस सूत्रों से जानकारी मिली है कि उमर मोहम्मद फरीदाबाद मॉड्यूल का एक और डॉक्टर था। पेशे से डॉक्टर उमर मोहम्मद कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा था। घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के पुलवामा निवासी कार मालिक तारिक को गिरफ्तार किया गया है। तारिक ने ही उमर मोहम्मद को धमाके में इस्तेमाल हुंडई आई20 कार दी थी। आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा रहे अपने साथी डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद उमर मोहम्मद ने कथित तौर पर इस डर से इस आतंकी हमले को अंजाम दिया कि वह भी पकड़ा जा सकता है। जांच करते हुए दिल्ली पुलिस ने मंगलवार तड़के पहाड़गंज के एक होटल से चार लोगों को उठाया है। पुलिस ने चारों से पूछताछ में जुटी है। दिल्ली में हुए धमाके मामले में पुलिस डॉक्टर मोहम्मद उमर की तलाश कर रही है। साथ ही धमाके में शामिल रहे उसके साथ के लोगों की भी तलाश की जा रही है।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुआ था धमाका

देश की राजधानी दिल्ली सोमवार शाम भीषण धमाके से दहल उठी। सोमवार शाम 6.52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास चलती कार में जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट में जिस सफेद आई 20 कार का इस्तेमाल हुआ, उसका एक सीसीटीवी फुटेज मंगलवार को सामने आया। मेट्रो स्टेशन की पार्किंग से निकल रही कार में काला मास्क पहने एक शख्स बैठा दिखाई दिया। उसका नाम डॉ. मो. उमर नबी बताया जा रहा है। ये पुलवामा का रहने वाला है।

पीएम मोदी बोले- नहीं बक्शे जाएंगे दोषी

भूटान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली धमाके की घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। दिल्ली ब्लास्ट ने सभी को व्यथित किया। पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और जो भी इस धमाके के पीछे हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।'

विस्फोट की घटना अत्यंत दुखद : सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिल्ली विस्फोट की घटना को अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक बताया है। उन्होंने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है तथा ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह घटना पूरे देश को झकझोर देने वाली है। उन्होंने कहा कि केंद्र और केंद्रीय एजेंसियां स्थिति की सतत समीक्षा कर रही हैं।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद छत्तीसगढ़ में अलर्ट... एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर निगरानी

दिल्ली में लाल किले के पास कार में हुए धमाके से 9 लोगों की मौत हो गई है। ब्लास्ट के बाद छत्तीसगढ़ में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मॉल समेत भीड़ वाली जगहों पर जांच की गई। वहीं रायपुर में भी पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। अधिकारी रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, हाईकोर्ट, बस स्टैंड, होटल-प्रतिष्ठानों सहित भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग कर संवेदनशील स्थानों की निगरानी की। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक मॉनिटरिंग की जा रही है। रायपुर एसएसपी लखन पटले ने बताया कि रायपुर में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है द्य सभी एजेंसी अपने-अपने टास्क को लेकर जुट गई है द्य पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, एयरपोर्ट पर निगरानी करने और संदिग्धों पर एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं।

मैनपाट में पारा 4 डिग्री, दुर्ग में रात का पारा सात डिग्री घटा, उत्तरी-हिस्से में शीतलहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पहाड़ों पर बर्फबारी और उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं ने छत्तीसगढ़ में सर्दी बढ़ा दी है। राज्य के उत्तरी हिस्सों में शीतलहर चल रही है। मैनपाट में घास पर ओस की बूंदें जमकर बर्फ बन गई है। यहां न्यूनतम तापमान 4 डिग्री पहुंच गया है। यहां सुबह और शाम के समय लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। पेंड्रा और अंबिकापुर में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मैदानी इलाकों में दुर्ग सबसे ठंडा बना हुआ है। यहां सर्द हवाओं के कारण रात का तापमान सामान्य से 7 डिग्री कम होकर 10.2 डिग्री पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। फिलहाल मौसम शुष्क बना रहेगा। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री दुर्ग में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मौसम में मलेरिया फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है। पिछले कुछ दिनों से रायपुर में दिन का तापमान लगातार प्रदेश में सबसे ज्यादा रहा है। वहीं सूरज ढलते ही तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में ऑफिस जाने वाले, स्कूली बच्चों को गर्म कपड़े साथ रखने चाहिए।

धान खरीदी केन्द्रों में डिस्प्ले होंगे कॉल सेंटर के नंबर

- अपर मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा
- 15 नवम्बर से शुरू होगी धान खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 15 नवम्बर से प्रारंभ हो रही धान खरीदी की तैयारियों को लेकर मंगलवार को रेडक्रॉस सभाकक्ष कलेक्ट्रेट में अपर मुख्य सचिव एवं रायपुर जिले की प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों में कॉल सेंटर के नंबर चस्पा किए जाने के निर्देश दिए, ताकि कृषक किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल दे सकें और उसका निराकरण समयबद्ध रूप से किया जा सके।

बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण हों ताकि कृषकों को धान विक्रय में किसी प्रकार की समस्या न हो। किसानों को सुगमता से धान विक्रय की सुविधा मिले और भुगतान जल्द किया जाए। प्रभारी सचिव ने कहा कि कोचियों एवं अवैध धान विक्रय-परिवहन पर निगरानी रखे एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खरीदी में धान की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए तथा तेजी से धान का उठाव सुनिश्चित हो। उन्होंने निर्देश दिए कि स्टेकिंग धान की किस्म के अनुसार सही तरीके से की जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए रायपुर जिले में कुल 1,34,037 किसान पंजीकृत हैं और 1,26,921 हेक्टेयर क्षेत्र में धान का रकबा है। जिले में 139 उपार्जन केंद्र है। जिला स्तरीय कंट्रोल कमांड सेंटर स्थापित किया गया है, जिसमें जिला एवं ब्लॉक स्तरीय दल एवं उड़नदस्ता का गठन किया गया है।

रायपुर जिले में अवैध धान परिवहन रोकने के लिए 5 चेक पोस्ट बनाए गए हैं तथा 43 कर्मियों की तैनाती उड़नदस्ते में की गई है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केंद्रों का चिन्हांकन कर प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही तहसीलदार की अध्यक्षता में गुणवत्ता जांच दल का गठन एवं बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

दिल्ली विस्फोट पर नेतागिरी शुरू

श्रीकंचनपथ

14 साल बाद दिल्ली एक बार फिर धमाके से दहल गई। पिछला बड़ा धमाका 7 सितंबर 2011 को हुआ था। उसमें 11 लोगों की जान गई थी। सोमवार शाम 6.52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास चलती कार में जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट में 2 महिलाओं समेत 9 लोगों की मौत हो गई और 24 घायल हैं जिनमें से कुछ लोगों की हालत गंभीर है। सुरक्षा एजेंसियां आत्मघाती हमले के एंगल से जांच कर रही हैं। हालांकि इस घटना कि जिम्मेदारी अभी तक किसी आतंकी गुट नहीं ली है पर तार जुड़ते महसूस हो रहे हैं। घटना से कुछ ही घंटे पहले सुरक्षा एजेंसियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों से तीन डॉक्टरों समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें जम्मू कश्मीर के डॉक्टर मुज़म्मिल शाकील और लखनऊ की डॉक्टर शाहीन शामिल है। एक और डॉक्टर आदिल अहमद इससे पहले पकड़ा गया था। पुलिस का दावा है कि फरीदाबाद से करीब 2900 किलो विस्फोटक सामग्री मिली, जिसमें 360 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) है। वहीं फतेहपुर तगा में एक इमाम के यहां से 2550 किलो विस्फोटक मिला। डॉ। शाहीन की कार से एक एके 47 राइफल भी बरामद की गई। इसलिए यह संभावना जताई जा रही है कि आतंकियों ने यह हमला हड़बड़ी में किया होगा। हालांकि विस्फोट की प्रकृति अभी साफनहीं है। मौके से आरडीएक्स के सबूत नहीं मिले हैं। घायलों के शरीर पर छर्रे या स्प्लिंटर की चोटें नहीं हैं, जो आमतौर पर बम धमाके में मिलती हैं। डॉक्टरों ने बताया कि आमतौर पर आईईडी विस्फोट में मृतकों के शरीर काले पड़ जाते हैं, लेकिन इस धमाके में ऐसा नहीं दिखा है। विस्फोट जिस कार में हुआ वह हरियाणा के गुरुग्राम में सलमान के नाम पर रजिस्टर्ड है। उसने बताया है कि कार उसने पुलवामा के तारिक को बेची दी थी। घटना के बाद दिल्ली, मुंबई समेत सभी बड़े शहरों और राज्यों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। घटना के बाद गृहमंत्री अमित शाह सबसे पहले घायलों से मिलने अस्पताल गए। उसके बाद घटनास्थल का जायजा लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गृह मंत्री तथा अन्य अधिकारियों से घटना का अपडेट लेते रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने घटना को दर्दनाक और चिंताजनक बताया है। ममता बनर्जी और प्रियंका गांधी ने भी दु:ख व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। वहीं पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने अपनी वायु सेना को अलर्ट कर दिया है। वहां देर रात तक उच्च स्तरीय बैठकें होती रही हैं। हर हादसे में संभावना तलाशने वाले नेता मगर घटना की संवेदनशीलता से कोसों दूर हैं। केन्द्र को घेरते हुए आप नेता संजय सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने सीजफायर करके आतंकियों के हौसले बढ़ा दिये। क्या यह वक्त ऐसी बातों के लिए मुफीद है? चिल्हरबाजी क्या जरूरी है?

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

संपादकीय

बदमाश का जुलूस निकलता है तो सबको अच्छा लगता है

पहले बदमाश वही बड़ा बदमाश माना जाता है जिसका अपने इलाके व शहर में दबदबा हो। आज वह बदमाश बड़ा बदमाश माना जाता है जिसने बदमाशी करके लाखों कमाएं हों।सब जानते हैं कि बदमाश बड़ा बदमाश कैसे बनता है।बदमाश को बड़ा बदमाश बनाने में पुलिस के ही कुछ लोग कैसे मदद करते हैं। कुछ पुलिस वाले भी पुलिस में इसलिए होते हैं कि उनको ज्यादा पैसा कमाना है। जब कुछ पुलिस व कुछ बदमाश मिल जाते हैं और उनका मकसद पैसा कमाना होता है तो तब जाकर कोई अंडा ठेला वाला लखपति व करूर सूदखोर बनता है।

"रायपुर गवाह है यहां कभी बदमाश जुलूस निकाला करते थे और रायपुर इस बात का गवाह भी है कि यहां बदमाशों का जुलूस भी कभी कभी पुलिस निकालती है।एक जुलूस बदमाश समाज में सम्मान के लिए निकाला करता था,एक जुलूस पुलिस बदमाश को अपमानित करने के लिए निकालती है। एक जुलूस बदमाश शहर में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए निकालता था,एक जुलूस पुलिस बदमाश का उसके इलाके में दबदबा खत्म करने के लिए निकालती है।

पुलिस में दो तरह के लोग होते हैं इसलिए वह दो तरह का चमत्कार करती है।एक वह बदमाश को बड़ा बदमाश बनाती है, उसे बदमाशी का साम्राज्य खड़ा करने में मदद करने वाली होती है। दूसरी बड़ा बदमाश को बताने वाली होती है कि तुम जितने बड़े बदमाश बन जाओ लेकिन कानून से बड़े नहीं हो सकते।तुम्हारा बदमाशी का साम्राज्य कितना भी बडा क्यों न हो उसको समाप्त करने में हमको दो दिन लगेंगे।बदमाश पैसे वाला बन जाता है तो वह सोचना है कि कानून के हाथ लंबे तो है, लेकिन उसके सामने पैसे के फैला करते हैं।जब बदमाश खुद को पुलिस व कानून से भी बड़ा समझने लगता है तो वही हाथ जो उसके सामने फैलते हैं,कानून के इतने लंबे हाथ हो जाते हैं कि उसे ग्वालियर पुलिस पकड़कर रायपुर ले आती है, भले ही कुछ दिन ज्यादा लगे लेकिन पुलिस उसे पकड़कर तो रायपुर लाई।

जब तक सूदखोर बदमाश पकड़ा नहीं गया था, सब कह रहे थे कि पुलिस उसे पकड़ना नहीं चाहती है इसलिए वह खुला घूम रहा है, पुलिस की बदनामी हो रही थी कि कैसी पुलिस है, एक बदमाश को पकड़ नहीं पा रही है। कहा जाता है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं लेकिन लंबे हाथ महीनों तक बदमाश तक पहुंचे कैसे नहीं।जिस तरह महीनों बाद पुलिस बदमाश तक पहुंची, क्या उसी तरह महीनों पहले क्यों नहीं पहुंच सकी। कई तरह के सवाल लोगों के जेहन में थे,वह आपस में चर्चा करते थे।अब एक बदमाश सूदखोर के पकड़े जाने के बाद सवाल यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि दूसरे को कब पड़ा जाएगा। क्या दूसरे को पकड़ने में भी महीनो लगेंगे। एक बदमाश पकड़ा गया है तो शहर के लोगों को, उस बदमाश के सताए लोगों को बहुत अच्छा लग रहा है।पुलिस जब बदमाश को पकड़ती है तो लोगों को अच्छा लगता है। पुलिस जब बड़े बदमाश को पकड़ती है तो लोगों को और ज्यादा अच्छा लगता है।पुलिस तब ही लोगों को पुलिस जैसी लगती है जब वह बड़े बड़े बदमाशों को पकड़ती है,उनका जुलूस निकालती है।जब बदमाश के इलाके में पुलिस उसका जुलूस निकलती है तो लोगों को जितना अच्छा लगता है, बदमाश को उतना ही बुरा लगता है क्योंकि यह उसका घोर अपमान का समय होता है, जो लोग उसे डरते थे, सलाम करते थे आज उसे देखकर आंखों ही आंखों में मजाक उड़ाते हुए लगते हैं। बदमाश को लगता है उसकी इज्जत मिट्टी में मिल गई। पुलिस जब बदमाश की इज्जत मिट्टी में मिला देती है तो पुलिस के इस काम की सब सराहना करते हैं। देश के राज्यों के मुख्यमंत्रियों में सबसे ज्यादा लोग यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को क्यों पसंद करते हैं, हर राज्य के लोग क्यों चाहते हैं कि सीएम होना चाहिए तो योगी जैसा सीएम होना चाहिए। क्योंकि सीएम योगी ही अकेले ऐसे सीएम हैं जो विधानसभा में कहते हैं माफिया को मिट्टी में मिला दिया जाएगा और वह राज्य के माफिया को मिट्टी में मिलाकर दिखाते भी हैं। राज्य के लोग पुलिस में भी योगी जैसा हिम्मत देखना चाहते हैं। राज्य की पुलिस जब योगी की तरह बदमाशों को न सही उनकी इज्जत, दबदबे को मिट्टी में मिलाती है तो उसे अच्छा लगता है।राज्य की जनता तो चाहती है कि सूदखोर हो, जमीन माफिया हो,राशन माफिया हो,रेत माफिया हो, शराब सट्टा माफिया हो, नकली दवा बेचने वाला माफिया हो उसके खिलाफ सरकार कड़ी कार्रवाई करे। लेकिन छत्तीसगढ़ में जो किसी दल के नेता कार्यकर्ता है, वही हर तरह के माफिया भी है और माफिया के समर्थक भी हैं। यही वजह है कि सरकार बदलती है लेकिन माफिया नहीं बदलते हैं। इसलिए कभी कभी पुलिस जब किसी बदमाश का जुलूस निकालती है तो लोगों को अच्छा लगता है।

मोदी-अडानी-अंबानी पर भरोसा रखो

हरिशंकर व्यास

आंखें थकती नहीं। दिमाग रुकता नहीं। तब भला बुढ़ापा कैसा होगा? मैं बूढ़ा नहीं हूं, लेकिन उम्र सत्तर की है। और दिमाग ने लगभग पचास साल भारत और भारत के लोगों पर गौर करते हुए बिताए हैं तो शायद यही वजह है जो कोई दिन ऐसा नहीं आता जब यह सवाल मन में न उठे कि आखिर हम लोग क्या मनुष्य और पशु में फर्क समझते हैं? फर्क है भी या बस शब्दों का छलावा है? मैं कल कोई बारह घंटे दिल्ली से 150 किलोमीटर दूर गया और लौटा। और सफर ने फिर याद दिलाया कि देश में सचमुच हवा याकि सांस में जहर साल-दर-साल घना होता जा रहा है।

सुबह साढ़े दस बजे घर से निकला। फिर भी घर से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर जैसे-जैसे गाड़ी बढी तो अलवर से आगे राजगढ़ तक धुएं-जहरीली हवा की मोटी परत में बेचारा सूरज मटमैला मरा पड़ा था। हवा का प्रदूषण इतना गहरा और सघन कि कार के अंदर एसी चलने के बावजूद सांस घुटती हुई। गुरुग्राम से लेकर सोहना और फिरोजपुर झिरका तक ऐसा लगा मानों शरीर हवा नहीं, धूल खींच रही हो। गजब यह कि दिल्ली से लगभग डेढ़ सौ किलोमीटर के बाद जा कर राजगढ़ में सूरज धूल-धुएं की दीवार को चीरता हुआ प्रकट हुआ—थका सा, मगर जीवित।

इसके बाद नए अनुभव। एक्सप्रेसवे से नीचे उतरा तो अहसास हुआ कि आज देवउठनी ग्यारस है। गांवों की सड़कों पर आस्था और उत्सव की भीड़ थी। बड़े पैमाने पर आयोजित सामूहिक विवाह और मंदिरों की ओर जाती भीड़, और लाउडस्पीकर-डीजे भी। लौटते वक्त मैंने जो देखा, वह अकल्पनीय था। जनरेशन अल्फा के बच्चे (यानी जेड के बाद की वह नई पीढ़ी जो अभी आठ-बारह साल की है) फुटपाथ के किनारे, धुल में लुढ़कते मंदिरों की ओर जा रहे थे। मिट्टी गंदी और कचरा लिए हुए। विश्वास-आस्था उसी मिट्टी में लुढ़क रहा था जो खुद गंदगी में दम घोंट रही थी।

फिर एक और हकीकत खुली। मैं बाहर जाता हूं तो बोतलबंद पानी जरूरी होता है। आखिर रास्ते में याकि सार्वजनिक जन धर्म में अब कही भी पेयजल का नल नहीं दिखता है। यह विकसित भारत की सचमुच सच्चाई है। हम गाड़ियों को उछलवाता-कूदाता एक्सप्रेसवे बनवा रहे है पर उसके किनारे की चाईनीज सामानों की साजसज्जा के आलीशान ठहरावों में पेयजल का एक नल नहीं मिलेगा। तभी हर किसी के हाथ में बोतलबंद पानी की बोतल अनिवार्य है। इसलिए भी क्योंकि भारत में जल भी अब जल नहीं रहा है। वह एक धंधा है। संकट है इसलिए दुर्लभ वस्तु बन महंगा बिकता है। एक और ऑब्जर्वेशन। गांव-देहात में (अलवर-दौसा पट्टी में) सड़क किनारे की गुमटियों में कोल्ड ड्रिंक डिब्बू की दो लीटर वाली बोतलें बेइंतहां दिखलाई देती हैं। मजदूर हों या किसान, सभी की आदत सी हो गई है जो फुरसत या चाय ब्रेक में इस कथित कोल्ड ड्रिंक की बोतल को कागज़ के गिलासों में भरकर पीते हैं। चाय की जगह अब 'डिब्बू पानी'। लगा यह तो अमृतकाल ही है। भला पानी की जगह गरीब भी पैकेज बोतल का सोडा या खटा-मीठा अमृत घटक रहा है! मोदीजी के विकसित भारत के समय का अमृत गरीब का भी टाइमपास है, एक चस्का है! कुछ वैसे ही जैसे दिल्ली के पॉश वसंत कुंज में फ्लैटों के पिछवाड़े की गलियों में पानी की टंकियों के सूने इलाके में नौजवान जनरेशन के लड़के-लड़कियों के बहके चेहरे दिखते हैं या गटकी शराब की बोतलों और कचरों का ढेर दिखता है।

इसी वसंत कुंज में दो दिन पहले अचानक (पहली बार) घर के बाहर रात में छोटे-छोटे बच्चे (कलाई पर काले धागे बांधी जरनेशन अल्फा) भूतिया रूप (हैलोवीन मनाते हुए) में दिखलाई दिए थे। सो, एक दिन पहले हैलोवीन मनाते बच्चे तो उससे डेढ़ सौ किलोमीटर दूर मिट्टी में लुढकती दर्शनार्थी जनरेशन अल्फा के चेहरे! उधर गरीब-मजदूर-किसान की डिब्यू की ड्रिंक का नजारा।

सभी दृश्य दिल-दिमाग में उमड़ते-घुमड़ते ये सवाल बना गए कि हम आखिर ऐसे कैसे हैं जहां क्या तो हवा, मिट्टी, पानी है और कैसा क्या मानस है, जिसे अहसास ही नहीं है कि वह क्या खाता-पीता और हवा लेता हुआ है और शरीर क्या-क्या भुगतता हुआ है?

जब मैं जन्मा था, और मेरा जो बचपन था तब मैंने रोटी, कपड़ा, मकान की आवश्यकता में भारत के लोगों के संघर्ष को सुना था। आज क्या है? अब हवा, पानी और मिट्टी के लिए लोगों का बेसुध संघर्ष है।

मैं शब्दों की खेती के साथ-साथ मिट्टी में कुछ असली खेती भी करता हूं। एक 'ऑर्गेनिक शगल'। इसने मुझे गहराई से बताया है कि भारत की मिट्टी अब रसायनों में मटियामेट हो चुकी है। मिट्टी अब वह धरती नहीं है जो जीवन देती थी। वह धीरे-धीरे ज़हर उगलती है। यही कारण है जो चिकित्सा का धंधा सबसे अधिक फल-फूल रहा है।

कुछ महीने पहले मैंने एक डायटीशियन से पूछा था—हमारे घर में लोग चाय में खूब चीनी डालते थे, मिठाई खाते थे, पर किसी को डायबिटीज नहीं थी। मेरी 96 साल की बुआ आज भी स्वस्थ हैं, न उन्हें दिल की बीमारी, न डायबिटीज। पर मैं, जो पैदल चलता हूं, सावधानी रखता हूं, डायबिटिक हूं। क्यों?

उसका जवाब सपाट था—आपके बुजुर्गों ने फैक्टरी में बना, प्रोसेस हुआ खाना नहीं खाया था। उनका आटा, दाल, तेल, मसाले सब घर में पिसे या स्थानीय थे। उनका खानपान प्रोसेस्ड नहीं था। वे धुआं, गंदा पानी और रासायनिक खाद से पला अनाज नहीं खाते थे।

और मेरा मानना है कि यह कहानी, तब और अब के फर्क की वह हकीकत है जो अंग्रेजों के समय से ले कर 1960 तक जन्मे हर भारतीय की यादों में है।

तभी यक्ष प्रश्न है। बचपन की आंखों देखी और आज के कथित विकसित भारत, अमृतकाल, अंबानी-अडानी काल के समय की भारत तस्वीरों का लब्बोलुआब क्या है? पहली जरूरत, कब अंबानी-अडानी भारत के लोगों को ऑक्सीजन सप्लाई करना शुरू करेंगे? दूसरी जरूरत- कब नदियों के किनारे हमें भी वह शुद्ध जल मिलेगा जो सुना है हाल में छठ के पर्व पर दिल्ली में यमुना किनारे नरेंद्र मोदी की छठ पूजा के लिए संग्रहित हुआ था? हां, सोशल मीडिया में चर्चा रही है कि छठ के लिए यमुना की प्रायोजित साफ-सफाई में प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक ऐसा अलग खास बाड़ा बना था, जिसमें बोतलबंद जैसा पानी भरा गया। हालांकि फिर मोदी ने उसमें उतरने का इरादा छोड़ा क्योंकि स्क्रिप्ट-निर्देशन अनुसार सेट और फोटोशूट कुछ बिगड़ गया था।

मुद्दा है कि छठ या कुंभ या ऐसे कार्यक्रमों में जब माईबाप सरकार वीवीआईपी के लिए जल भंडारण कर गंगा-यमुना में जल के पवित्र छोटे-छोटे जलाशय बना सकती है तो 140 करोड़ लोगों के बोतलबंद पानी के दिन कब खत्म होंगे? गंगा जल या जल कब स्वच्छ-सुलभ होगा? कोई न माने इस बात को लेकिन सत्य है कि हर शहर, हर आबादी पीने लायक पानी के लिए फड़फड़ाती हुई है। आरओ घर-घर पहुंच गया है और उस पानी में मिनरल, उसकी नैसर्गिक बुनावट को ले कर दस तरह के सवाल हैं! स्वतंत्र भारत ने 1947 से लेकर 2025 तक जल और उसकी आपूर्ति, उसकी स्वच्छता पर खरबों रुपए खर्च किए। मगर जल और बिगड़ा। मेरा मानना है कि मेरे बचपन में कुएं, बावड़ी और राजे-रजवाड़ों के समय की पाइप लाइन का पानी मिट्टी के घड़ों के जरिए जितना पीने लायक था वह आज की डिब्बाबंद बोतलों से भी अधिक शुद्ध और मानव शरीर अनुकूल था।

तभी सोचें, बीस-तीस साल बाद भारत की आबादी जब 160-170 करोड़ लोगों की होगी तब उनकी जरूरत के पानी, हवा और मिट्टी की सेहत कैसी होगी? पर सच कहूं, तो अब किसी को फर्क नहीं पड़ता।

बिहार विधानसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ने के मायने

अजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनावों में इस बार पहले चरण में 62 फीसदी मतदान को लेकर राजनीतिक दलों में खलबली मची है इतना ही नहीं देशी, विदेशी मीडिया अपना अपना आंकलन कर रहीं हैं। तमाम यू ट्यूब चैनल समीक्षा करने लगे हैं कि बढ़ा हुआ मतदान किसके पक्ष में जाएगा। इंडिया ब्लॉक और राजग नेता अपने अपने पक्ष में तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि छह नवम्बर को हुए मतदान में महिलाओं ने और पुरुष ने बराबर यानी एक करोड़ 22 लाख वोट डाले हैं। अंतर इतना है कि महिलाओं की संख्या 48 फीसदी है और पुरुष 52 फीसदी है।इस हिसाब से देखे तो मतप्रतिशत

महिलाओं का 68 फीसदी आ रहा है।चुनाव सांख्यिकी विशेषज्ञ मानते हैं कि पहले चरण में महिलाओं का वोट अधिक पड़ा है।जबकि पूरे बिहार में 62 लाख मतदाता सूचियों में से हटाए गए

हैं।एक्सिम इंडिया के यशवंत देशमुख ने कहा है कि इस बात के कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है कि बढ़ा हुआ मतदान सत्ता हस्तांतरण करता है।मप्र , राजस्थान में 2023 में मतदान बड़ा था लेकिन मप्र में सरकार परिवर्तित नहीं हुई जबकि राजस्थान में कांग्रेस सरकार बदल गई।2019 के लोकसभा चुनावों में मतदान 2014 से अधिक हुआ परंतु मोदी सरकार पुन: आ गई।

लेकिन अधिकतर अधिक प्रतिशत मतदान सत्ता हस्तांतरण करता है। बिहार विधानसभा चुनावों के मामले में बीबीसी संवाददाता मोहन शर्मा कहते हैं कि नीतीश कुमार द्वारा एक करोड़ महिलाओं को चुनाव से पहले दस हजार रुपए दिए इसलिए मतदान बड़ा है। लेकिन प्रतिष्ठित पत्रकार हिमांशु शर्मा और राजदीप सरदेसाई का कहना है कि बड़ा हुआ मतदान सत्ता हस्तांतरण कर सकता है।

जेडीयू नेता संजय झा ने कहा है कि पूरे प्रदेश में जेडीयू बीजेपी उम्मीदवार के पक्ष में जमकर मतदान हुआ है। और विशेषकर महिलाओं ने जाति से बाहर जा कर भी मतदान किया है। लेकिन खुफिया एजेंसी के सर्वे में पहले चरण में दोनों पक्षों के बीच कांटे का मुकाबला बताया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद नेता तेजस्वी यादव दोनों उत्साहित हैं। यद्यपि कांग्रेस के नेता कुछ निराश हैं।

एनडीटीवी के पत्रकार राहुल देव का कहना है कि बड़ा हुआ मतदान का मुख्य कारण महिलाओं का आगे बढ़ कर मतदान करना ही है। वरिष्ठ पत्रकार नीरज चौधरी भी हड़प्रभ है कि महिलाओं का मत 68 फीसदी गिरा है। बिहार के इतिहास में सर्वाधिक मतदान 1977 में रिकॉर्ड किया गया था और 2020 यह 55.19 फीसदी,2015 में 54.93 फीसदी 2010 में 51.63 फीसदी थ लेकिन इस बार 62 फीसदी मतदान हुआ है। बिहार विधानसभा चुनावों में कुल 6.5 करोड़ बोटर है । मतदाता सूची के गहन अध्ययन में 62,49,500 मतदाता सूचियों में से विलोपित किए गए हैं।

कर्ज का बोझ

साल 2019 के बाद से भारतीय परिवारों की औसत संपत्ति 48 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन इसी दौरान उपर कर्ज का बोझ 102 फीसदी बढ़ गया है। इसके पहले भारतीय परिवारों की बचत में भारी गिरावट के तथ्य सामने आ चुके हैं।

परिवारों में बचत की घटी क्षमता के कारण उन पर कर्ज बढ़ने और उनकी संपत्ति घटने के रुझान ने अब और ठोस रूप ले लिया है। कोरोना काल के बाद से ही यह प्रवृत्ति उजागर होने लगा थी, जो लगातार गंभीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक ताजा रिपोर्ट ने इसी बात की पुष्टि की है। इसमें बताया गया है कि 2019 के बाद से भारतीय परिवारों की औसत संपत्ति 48 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन इसी दौरान उपर कर्ज का बोझ 102 फीसदी बढ़ गया है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में देखें, तो 2019-20 से 2023-24 तक हर साल भारतीय परिवारों की वित्तीय संपत्ति जीडीपी के 12 प्रतिशत के बराबर रही। लेकिन 2024-25 में यह घट कर 10.8 फीसदी हो गई। जबकि 2019 में जहां परिवारों की वित्तीय देनदारी जहां जीडीपी के 3.9 प्रतिशत के बराबर थी, वह 2024-25 में 4.7 फीसदी तक पहुंच गई। इसके पहले रिजर्व बैंक की रिपोर्ट से ही यह जाहिर हुआ था कि भारतीय परिवारों की बचत में कोरोना काल के बाद भारी गिरावट आई है। फिर बचत के निवेश में उनकी प्राथमिकताएं भी बदली हैं। हालांकि बैंकों में बचत को जमा कराने का चलन अभी भी है, मगर पिछले कुछ वर्षों के दौरान मुचुअल फंड्स औसत परिवारों की खास पसंद बने हैं। बहरहाल, खास पहलू बचत में गिरावट है, जिस वजह से पर्सनल या अन्य ऋण लेकर जरूरी खर्चों को पूरा करने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। संपत्ति में गिरावट का संबंध भी बचत से है। एक तर्क यह हो सकता है कि बचत में कमी उपभोग की बढ़ी प्रवृत्ति के कारण आई है। मगर यह आंशिक सच ही है। जिस दौर में तमाम दूसरे आंकड़े आमदनी गतिरुद्ध होने अथवा ऊंची मुद्रास्फीति के दौर में वास्तिवक आय में गिरावट का संकेत देते रहे हैं, और बाजार में कमजोर मांग को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।

सीमाओं पर आंतरिक सुरक्षा की चुनौती का मुकाबला

मधुरेन्द्र सिन्हा

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत, पहली प्राथमिकता सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोकने, दूसरे सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र-राज्य सरकारों के कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा सीमा व उसकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। भारत की हजारों किलोमीटर की सीमा कई देशों से लगती है जिनमें चीन,म्यांमार, पाकिस्तान और बांग्लादेश ऐसे हैं जहां से हमारे लिए खतरा है। इन सीमाओं की रक्षा के लिए भारतीय सेना व सीमा सुरक्षा बल मजबूती से तैनात है। लेकिन एक नई आंतरिक समस्या सिर उठा रही है। यानी दुश्मन हमें भीतर से कमजोर करना चाहता है। इसके तहत सीमावर्ती इलाकों में वह अपने लोग तो बसा ही रहा है, हमारे इलाकों में कई तरह के ढांचे तैयार करवाने की कोशिश कर रहा है। समस्या यह है कि उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कठिन जीवन होने के कारण वहां से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और कई महत्वपूर्ण जगहों पर तो स्थानीय निवासी हैं ही नहीं। उत्तराखंड में तो यह बहुत बड़ा सिरदर्द है जहां 275 किलोमीटर की सीमा चीन से लगती है। वहां के गांवों में बड़े स्तर पर पलायन से वहां सन्नाटा है और दुश्मन के लिए मौका है। ऐसा ही खतरा पंजाब और बंगाल में है जहां दुश्मन बहुत सक्रिय है।

बांग्लादेश से लगती बंगाल, त्रिपुरा और असम के सीमावर्ती इलाकों में तो डेमोग्राफिक बदलाव देखे जा रहे हैं। वहां सीमा पर धार्मिक ढांचे भी बनाये जा रहे हैं। जिससे सीमा की सुरक्षा को खतरा है। इन राज्यों में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों और यहां तक कि रोहिंग्याओं का घुसपैठ होता रहा है और इन्हें इन धार्मिक स्थानों में शरण तक मिल जाती है। यह खतरे की घंटी है क्योंकि इससे हमारी सीमाएं असुरक्षित हो जाती हैं। इसे ध्यान में रखकर ही गृह मंत्रालय ने बंगाल सहित सत्रह राज्य सरकारों को पत्र लिखा है और उनसे फौरन कार्रवाई करने को कहा है। इतना ही नहीं गृह मंत्री ने बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान वगैरह देशों से सटे राज्यों की सरकारों को कहा है कि वे सीमा के अंदर 30 किलोमीटर तक बने अवैध धार्मिक ढांचों को गिरा दें।

दरअसल आसन्न खतरे को देखते हुए भारत सरकार और गृह मंत्रालय ने अपनी नीति में अग्रसक्रिय यानी पहले ही सक्रिय हो जाने की नीति अपनाई है ताकि किसी तरह की विपरीत समस्या से मुकाबला करने का अवसर न आये। डेमोग्राफिक चेंज यानी जनसांख्यिकीय बदलाव देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है और यह स्वाभाविक रूप से नहीं हुआ है। इससे दुश्मन को मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से यह मुद्दा उठाया था और कहा था कि सीमावर्ती राज्यों में एक साजिश के तहत जनसांख्यिकीय बदलाव किया जा रहा है। यह देश की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। इसका मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री ने उच्च अधिकार वाली जनसांख्यिकी बदलाव मिशन तैयार करने की घोषणा भी की ताकि स्थानीय आबादी को बाहर वालों से बदलने की साजिश को रोकें। इस रणनीति के तहत हाल ही में दो दिनी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम वर्कशॉप किया गया। इसमें गृह मंत्री ने जिला कलेक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर तक के अवैध धार्मिक ढांचों को ढहा दें। यह रणनीतिक कदम समस्या खड़ी होने से पहले उठा लिया जाए। जीवंत गांव कार्यक्रम यानी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम तीन बिंदुओं पर आधारित हैं। पहला तो यह है कि सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोका जाये। दूसरे सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा यह है कि इस प्रोग्राम के तहत सीमा और उसकी सुरक्षा को और मजबूत करने के उपाय किये जायें। इस कार्यक्रम के तहत पहले से चिन्हित गांवों को जल्दी ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा के केन्द्र में लाया जायेगा। सरकार वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। साथ ही वहां की संस्कृति को बनाये रखने में मदद करेगी। इन इलाकों में पर्यटन के जरिये रोजगार सृजित होंगे। अरुणाचल प्रदेश में तो कार्यक्रम कार्यान्वयन से कई सीमावर्ती गांवों में जनसंख्या में बढ़ोतरी भी हुई है।

इस जीवंत गांव कार्यक्रम का केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से वित्त पोषण किया है। ताकि हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित और जीवंत रहें। इन गांवों पर कुल 6,839 करोड़ रुपये का खर्च करने की योजना बनाई गई है। यह धन अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के उन गांवों पर 2028-29 तक खर्च किया जायेगा, जिनकी रणनीतिक भूमिका है। केन्द्र सरकार सुधार, निष्पादन और परिवर्तन के मंत्र को लेकर चल रही है ताकि देश के सुरक्षातंत्र को मजबूत किया जा सके। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण से बचाने का काम चलता रहेगा क्योंकि यह उसकी संपूर्ण सुरक्षा रणनीति का मुख्य तत्व है।

सरकार का मानना कि देश की बाह्य सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा दोनों पर एक साथ जोर दिये बगैर बात नहीं बनेगी। भारतीय सेना दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से है और उसे आमने-सामने की लड़ाई में हराना नामुमकिन है। इसलिए दुश्मन नये-नये तरीके अपनाता है और आंतरिक सुरक्षा पर चोट पहुंचाना उसका पुराना शस्त्र है। यह धीमे-धीमे व स्थानीय लोगों की अनुपस्थिति में किया जा सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

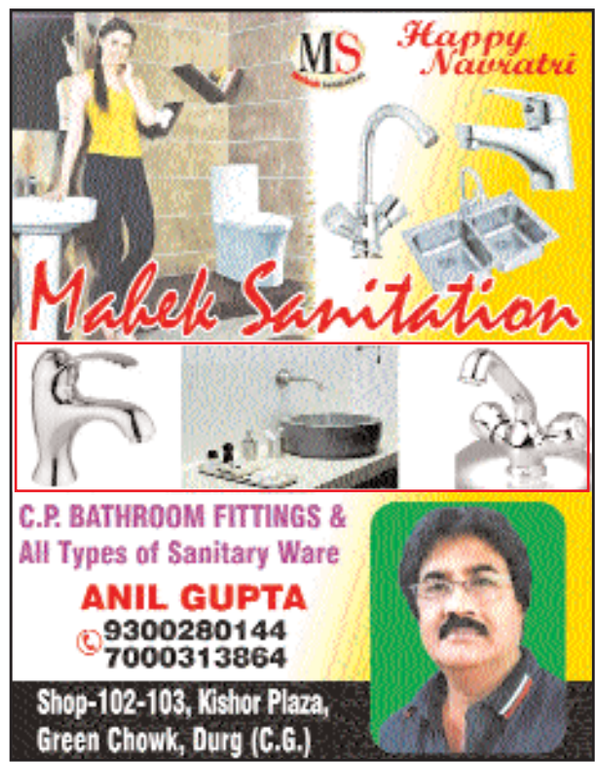

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

जय भीम मेला 25 से, आएंगे मुख्यमंत्री-विस अध्यक्ष

भिलाई। कोसा नगर स्थित बुद्ध भूमि में संविधान दिवस जय भीम मेला समारोह 25 और 26 नवंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर दो दिवसीय भव्य मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में आगंतुक शामिल होंगे। आयोजन समिति के अनुसार, इस वर्ष संविधान दिवस समारोह को ऐतिहासिक रूप देने की तैयारी की जा रही है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन सहित कई मंत्री, विधायक और उच्च प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे।

यशड्रीम रियल इस्टेट के निवेशकों को राशि वापस

दुर्ग। कलेक्टर कार्यालय की चिटफंड शाखा में यशड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड कंपनी की संपत्ति की नीलामी से प्राप्त राशि, निवेशकों को वापसी के संबंध में आवेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में जिन निवेशकों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किए हैं, उनमें से कुछ के दस्तावेजों में कमी पाई गई है, जिसके कारण उन्हें भुगतान रोका गया है। चिटफंड शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ निवेशकों द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ मूल बांड पेपर जमा नहीं किया गया है एवं कुछ निवेशकों के द्वारा अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी (बैंक पास बुक की पठनीय छायाप्रति) प्रस्तुत नहीं की गई है।

विद्यार्थियों का हो रहा मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन

दुर्ग। जिले के शासकीय व अशासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है। आज 39 शासकीय व अशासकीय स्कूलों में शिविर लगाकर 1446 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन किया गया। 190 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन और एक विद्यार्थी का नया आधार बनाया गया।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज अग्रवाल नहीं रहे....

भिलाई। वरिष्ठ पत्रकार सेक्टर 10, सड़क नंबर 13 क्वार्टर नंबर 2 बी निवासी न्यू प्रेस क्लब आफ भिलाई नगर के सदस्य मनोज अग्रवाल का रात्रि 12:00 बजे इलाज के दौरान आरोग्यम अस्पताल में निधन हो गया, वे 67 साल के थे। बलौदा बाजार के मूल निवासी मनोज अग्रवाल ने देशबंधु, दैनिक भास्कर व समवेत शिखर में लंबे समय तक सेवाएं दी है बलौदा बाजार से पत्रकारिता की शुरुआत करने वाले मनोज अग्रवाल शुरुआत में बलौदा बाजार और रायपुर में दैनिक देशबंधु के प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत रहे फिर उनका आगमन इस्पात नगरी भिलाई में हुआ। यहां वे लंबे समय तक पहले नव भास्कर और फिर दैनिक भास्कर से जुड़े रहे। पत्रकारिता में उनकी छवि बेदाग रही।

सेल क्रिकेट चैंपियनशिप-2025 का भिलाई क्रिकेट ग्राउंड में भव्य शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल द्वारा आयोजित सेल क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 का शुभारंभ 10 नवंबर, 2025 को सिविक सेंटर क्रिकेट ग्राउंड में हुआ।

इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार थे व विशिष्ट अतिथि के रूप में उप महाप्रबंधक (स्पोर्ट्स, सेल कॉर्पोरेट दिल्ली) सौरभ शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधा विभाग द्वारा किया गया। यह टूर्नामेंट 10 नवंबर से 15 नवंबर 2025 तक भिलाई में खेला जायेगा।

इस अवसर पर विभाग की ओर से महाप्रबंधक (मानव संसाधन - नॉन वर्क्स) जेएन ठाकुर, उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग) एवं अर्जुन अवॉर्डी राजेन्द्र प्रसाद, उप प्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग) अभिजीत भौमिक तथा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस चैंपियनशिप में सेल की विभिन्न इकाइयों — इस्को- बर्नपुर, डीएसपी- दुर्गापुर, बीएसएल- बोकारो, सेल- रांची, आरएसपी- राउरकेला, एसएसपी- सेलम, कॉर्पोरेट ऑफिस, एसआरयू, सीएफपी-चंद्रपुर, वीआईएसएल- भद्रावती तथा भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम भाग ले रही हैं।

उद्घाटन दिवस पर खेले गए पहले मुकाबले में इस्को- बर्नपुर की टीम ने सेल- रांची को 119 रनों से पराजित किया। पहले दिन के खेले गए सभी मैचों में निर्णायक की भूमिका में आर.पी. सिंह, कौशल वर्मा, सुनील डडसेना, संतोष सोनी, पीयूष साहू, हरप्रीत सिंह तथा अशोक रिगरी रहें।

क्रिकेट देखने प्रथम दिवस भी खेल प्रेमियों की अच्छी उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन दो मैच दो अलग-अलग ग्राउंड में खेले जाएंगे।

आईआईटी भिलाई का 5वां दीक्षांत 269 स्नातकों को मिली उपाधियां

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के साथ अदाणी सीमेन्ट के सीईओ रहे उपस्थित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई का पांचवां दीक्षांत समारोह नालंदा हॉल में संपन्न हुआ। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि रहे। अदाणी सीमेंट के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ विनोद बाहेती विशेष अतिथि और डॉ. सुरेश हवारे गेस्ट ऑफ ऑनर थे। आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष ने समारोह की अध्यक्षता की।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संस्थान की राज्य के समग्र विकास, विशेष रूप से जनजातीय समुदायों के उत्थान के प्रति की जा रही प्रतिबद्ध और सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने आईआईटी भिलाई के संकाय सदस्यों की भी सराहना की, जो विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास का नेतृत्व कर रहे हैं।

श्री सिन्हा ने सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी और उन्हें ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित किया जो समाज के हित में हों और एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें।

5वें दीक्षांत समारोह में 269 छात्रों ने 2025 में स्नातक किया। इस बैच में 25 पीएचडी, 24 एमएससी, 58 एमटेक, 10 बीटेक (ऑनर्स) और 152 बीटेक छात्र शामिल थे। इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल, डायरेक्टर गोल्ड मेडल और सेनेट अवाड्र्स का वितरण माननीय उपराज्यपाल द्वारा किया गया। इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल सुदीप रंजन साहू, बीटेक छात्र को दिया गया, जिनका सीजीपीए सबसे अधिक था। एमटेक में डायरेक्टर गोल्ड मेडल श्री सूर्य केताराजू को प्रदान किया गया।

बीटेक, बीटेक (ऑनर्स) और एमएससी में उत्कृष्ट महिला छात्रा के लिए डायरेक्टर गोल्ड मेडल सुश्री अंकिता अवस्थी को दिया गया। सेनेट अवाड्र्स उन छात्रों को दिए गए जिन्होंने अपने-अपने शाखाओं और कार्यक्रमों में सबसे अधिक सीजीपीए प्राप्त किया। समारोह का समापन उपलब्धि और संतुष्टि के साथ हुआ, तथा स्नातक छात्रों में राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने का उत्साह भर गया।

दीक्षांत समारोह की शुरुआत अकेडमिक प्रोसेशन के आगमन के साथ हुई। आईआईटी भिलाई के निदेशक, प्रो. राजीव प्रकाश ने संकाय द्वारा किए जा रहे उन्नत शोध परियोजनाओं पर प्रकाश डाला और बताया कि संस्थान का अनुसंधान एवं विकास बजट लगभग 36 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 13.93 करोड़ हो गया है।

विशिष्ट अतिथि विनोद बाहेती, डब्ल्यूटीडी और अदाणी सीमेंट के सीईओ ने स्नातकों को बधाई दी और छात्रों को पेशे में नैतिकता और सत्यनिष्ठा के महत्व की याद दिलाई। उन्होंने छात्रों को उद्योग की माँगों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु संस्थान के भविष्य-तैयार परिसर और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे की भी सराहना की।

गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. सुरेश हवारे ने सभी स्नातक छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने उन्हें सफलता प्राप्त करने के लिए अपनी जन्मजात प्रतिभा और अर्जित ज्ञान को निखारते हुए दृढ़ और मेहनती बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

सीनियर सेकण्डरी-10 के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के छात्र - आलौकिक चौधरी, अभिजय चौधरी एवं आमीन ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 'मेक इन सिलिकन' में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं भिलाई का गौरव बढ़ाया।

यह प्रतियोगिता 7 एवं 8 नवम्बर 2025 को आईआईआईटी ङ्क नया रायपुर में आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों - आईआईटी- इंदौर, आईआईटी- भिलाई, बिट्स- पिलानी, एनआईटी- रायपुर सहित कुल 30 टीमों ने भाग लिया।

गौरतलब है कि भिलाई स्टील प्लांट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की टीम इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली एकमात्र विद्यालयी टीम थी, जिसे नवाचार (आईडीएसन) के आधार पर प्रतिस्पर्धा हेतु आमंत्रित किया गया था। विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने हेल्थकेयर श्रेणी में प्रोस्थेटिक फिंगर/आर्म प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आयोजन स्थल पर पहुँचकर विद्यार्थियों से संवाद किया एवं उनके नवाचार की सराहना की। पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रमाणपत्र, पदक एवं 5000 की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इंटेल इंडिया के अधिकारियों ने विद्यार्थियों से उनके प्रोजेक्ट के तकनीकी पक्ष पर चर्चा की।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण जारी, किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है, जिसमें बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) डोर-टू-डोर मतदाता फॉर्म का वितरण कर रहे हैं। आयुक्त सह अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी और संयुक्त कलेक्टर सह निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी ने बीएलओ के कार्य का जायजा लिया है।

कार्य की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय और सहायक निर्वाचन अधिकारी व संयुक्त कलेक्टर सिली थॉमस मैडम ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। जोन क्रमांक 1, नेहरू नगर अंतर्गत ग्रीन वेली कॉलोनी एवं नेहरू नगर पूर्व में निरीक्षण किया गया। आयुक्त और संयुक्त कलेक्टर ने ग्रीन वैली कॉलोनी एवं नेहरू नगर पूर्व में कार्यरत बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर से मुलाकात की और उनके डोर-टू-डोर मतदाता फॉर्म वितरण और सत्यापन कार्य का विस्तृत जायजा लिया।

उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी संवाद किया और उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण में भरी जाने वाली महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। निगम आयुक्त एवं संयुक्त कलेक्टर ने अपने सामने 7 फार्म भरवाए। निगम आयुक्त ने बीएलओ से उनके कार्य में आने वाली किसी भी समस्या को अवगत कराने को कहा ताकि उनका तत्काल निवारण किया जा सके।

मिलन समारोह में नवप्रशिक्षित योग शिक्षकों को मार्गदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। योग शिक्षक मिलन समारोह एवं जिला कार्यकारिणी बैठक का आयोजन पतंजलि गौशाला, जेवरा सिरसा में रखा गया। जिसमें जिलेभर से आए योग साधक, योग शिक्षक एवं पदाधिकारी इस आयोजन में उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ, जिसका संचालन शत्रुघ्न साहू ने किया। तत्पश्चात वंदे मातरम गायन विमला पटेल ने किया। जिला पदाधिकारियों का परिचय एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। अतिथि संजु बंसल एवं जेके राय सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा संगठन की गतिविधियों की सराहना की।

मुख्य वक्ता गोस्वामी जयंत विष्णु भारती, राज्य प्रभारी, युवा भारत, ने संगठन की कक्षाओं एवं कार्यप्रणाली को रेखांकित करते हुए नव प्रशिक्षित योग शिक्षकों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि योग आज की आवश्यकता है। प्रत्येक योग शिक्षक समाज में सकारात्मक ऊर्जा और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश प्रसारित करें। अनूप बंसल, सह राज्य प्रभारी, भारत स्वाभिमान न्यास, छत्तीसगढ़, ने योग के लाभों पर विस्तार से मार्गदर्शन देते हुए संगठन की योजनाओं एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान जिले के दो नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। जिसमें तिजऊ राम साहू महामंत्री, पतंजलि योग समिति जेआर. बिसेन कोषाध्यक्ष, भारत स्वाभिमान न्यास शामिल हैं। भारत स्वाभिमान दुर्ग के संगठन मंत्री, गजेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों एवं योग साधकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि-योग का प्रसार जन-जन तक पहुंचाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है।

बच्चों को विधि सुरक्षा देना हमारा दायित्व : कुजूर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने इस वर्ष विधिक सेवा दिवस को केवल एक दिवस तक सीमित न रखते हुए इसे 'विधिक सेवा माह' के रूप में समर्पित किया है। यह अभियान बाल अधिकार संरक्षण, पीड़ितोन्मुख न्याय, विधिक जागरूकता, तथा पुनर्वास एवं सुधार आधारित न्यायिक दृष्टिकोण को सशक्त करने हेतु केंद्रित है।

इसी कड़ी में बाल अपराध एवं सुरक्षा विषयक कार्यशाला का आयोजन जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में किया गया।

आयोजन की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के अध्यक्ष विनोद कुजूर ने की।

श्री कुजूर ने कहा, बच्चे केवल आज के नागरिक नहीं, बल्कि कल के राष्ट्रनिर्माता हैं। उन्हें सही दिशा, संवेदनशील वातावरण और विधिक सुरक्षा प्रदान करना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक कर्तव्य है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बाल संरक्षण और समाज निर्माण के सूक्ष्म एवं मानवीय आयामों पर प्रकाश डालते हुए आश्वस्त किया कि आगामी कार्यक्रम जिला न्यायालय और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किए जाएंगे, तथा जिला प्रशासन पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने पॉक्सो और बाल सुरक्षा कानूनों के तकनीकी एवं न्यायिक अनुप्रयोग पर विवेचना अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में जाँच और अभियोजन अत्यंत संवेदनशील, वैज्ञानिक और प्रमाण-आधारित होना चाहिए। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया— पूरे पुलिस विभाग की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पूर्ण समर्थन एवं सहयोग लगातार प्रदान किया जाएगा। एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि बाल न्याय प्रणाली केवल सुनवाई और निर्णय का ढांचा नहीं, बल्कि एक समग्र पुनर्वास मॉडल है, जिसमें बच्चे को संपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मश्री तंवर ने नशा मुक्ति अभियान की रणनीतियों एवं पॉक्सो मामलों के विधिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

महात्मा गांधी कलामंदिर में जनजातीय गौरव दिवस 15 को

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार 15 नवम्बर 2025 को महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का किया जा रहा है। सफल क्रियान्वयन हेतु अपर कलेक्टर दुर्ग योगिता देवांगन को नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा तथा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अविनाश श्रीवास को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करते किया गया है।

इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग को कार्यक्रम स्थल पर स्टॉल लगाने, टेंट एवं शेड की व्यवस्था का, लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी दुर्ग को कार्यक्रम स्थल पर विद्युत, जनरेटर, पंखे, कूलर की व्यवस्था का, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग को कार्यक्रम स्थल में चिकित्सा व्यवस्था, जिला स्तर/विकासखण्ड स्तर/प्रयास विद्यालय, विज्ञान विकास केन्द्र एवं छात्रावासों/ प्रमुख स्थानों पर नि:शुल्क सिकलसेल एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन, धरती आबा में सम्मिलित चार ग्रामों में संतृप्तिकरण हेतु नि:शुल्क सिकलसेल परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

5 सहायक अनुभाग अधिकारी बने अनुभाग अधिकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सचिवालय सेवा के सहायक अनुभाग अधिकारियों को अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है. आदेश सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय द्वारा जारी किया गया है. आदेश में आशीष कुमार अग्रवाल को महिला एवं बाल विकास विभाग, शबीहा परवीन खान को खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, ज्योति पटेल वित्त विभाग, स्नेहा यादव को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और मुकेश शाकार को सामान्य प्रशासन विभाग में पदस्थ किया गया है.

अजजा आयोग अध्यक्ष मंडावी मिले राज्यपाल रामेन डेका से

रायपुर/जगदलपुर। छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी ने सोमवार को राजभवन जाकर राज्यपाल रामेन डेका से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में जनजाति समाज के लोगों के विकास के लिए हो रहे जन कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता शरद अवस्थी, पार्षद संग्राम सिंह राणा मौजूद थे।

धान खरीदी 15 से - छूटे खसरे जोड़ने की सुविधा प्रारंभ

धमतरी। आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान विक्रय हेतु कृषकों का एग्रीस्टेक किसान पंजीयन पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। जिले के अधिकांश कृषकों का पंजीयन एवं एकीकृत किसान पोर्टल में कैरीफारवर्ड कार्य पूर्ण किया जा चुका है। हालांकि पंजीयन के दौरान कुछ कृषकों के खसरा नंबर छूट जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन धमतरी द्वारा समस्त कृषकों से अपील है कि वे समय पर अपना पंजीयन सुनिश्चित करें ताकि धान खरीदी प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

खुली नीलामी 28 को, कई चीजें हो सकती हैं काम की

कोरिया। कलेक्टर कार्यालय कोरिया के भंडार कक्ष में रखी गई अनुपयोगी सामग्री की खुली नीलामी 28 नवंबर 2025, दिन शुक्रवार को दोपहर 3 बजे कलेक्टोरेट परिसर में आयोजित की जाएगी। इच्छुक क्रेतागण कार्यालयीन समय में सामग्री का निरीक्षण कर सकते हैं। कलेक्टोरेट भंडार कक्ष में उपलब्ध सामग्री में 60 सोलर पावर प्लांट बैट्री, 14 फायर सिलेंडर, रिको व तोशिबा कंपनी की फोटो कॉपी मशीनें, सैमसंग और एचपी प्रिंटर, एचसीएल विप्रो एवं एजर के मॉनीटर सहित 20 कुर्सियाँ, 10 सीपीयू, 5 प्लास्टिक कूलर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। बोली लगाने से पूर्व 2,500 की प्रतिभूति राशि जमा करनी होगी। जिन प्रतिभागियों की बोली स्वीकृत नहीं होगी, उन्हें यह राशि वापस कर दी जाएगी।

डॉ. लकपाले संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त

रायपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका द्वारा प्रोफेसर और निदेशक फॉर्म (फॉर्म और बीज) इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. राजेन्द्र लकपाले को संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय, सरगुजा, अंबिकापुर का नए कुलपति नियुक्त किया गया है। डॉ. राजेन्द्र लकपाले का कार्यकाल, उपलब्धियां तथा सेवा शर्ते विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम में निहित प्रावधान अनुसार होंगी।

पुस्तक 'छत्तीसगढ़ अतीत से अब तक' का विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में वरिष्ठ पत्रकार श्री शंकर पांडे की पुस्तक छत्तीसगढ़ अतीत से अब तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इस पुस्तक में छत्तीसगढ़ के अतीत को समेटने के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री पांडे ने बताया कि यह उनकी 6वीं पुस्तक है जिसमें छत्तीसगढ़ के महापुरुषों, पर्यटन स्थल, प्राचीन इतिहास, राज-परिवार, मंदिरों के इतिहास से सम्बंधित जानकारियां संकलित की गयी हैं। पुस्तक में कई अनछुए पहलुओं सहित राज्य के सभी मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रमुख राजनीतिक घटनाओं, राजनेताओं व साहित्यकारों का भी उल्लेख है।

रायपुर बीटीआई ग्राउंड में राज्य स्तरीय आवास मेला 23 से 25 नवम्बर को

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की ओर से प्रदेशवासियों को सुलभ और किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा राजधानी रायपुर के बीटीआई ग्राउंड शंकर नगर में 23 से 25 नवम्बर 2025 तक राज्य स्तरीय आवास मेला आयोजित किया जाएगा।

इस मेले में प्रदेशभर की आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की विस्तृत जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध होगी। साथ ही आवासीय योजनाओं की स्पॉट बुकिंग सुविधा, बैंक ऋण सहायता एवं पंजीकरणकर्ताओं के लिए आकर्षक उपहार जैसी विशेष व्यवस्थाएं भी की जाएंगी। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगभग 2000 करोड़ रुपए की नई आवासीय

योजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। इन योजनाओं में लगभग 70 प्रतिशत आवासीय संपत्तियां समाज के कमजोर आय वर्ग के लोगों के लिए आरक्षित रहेंगी।

हाल ही में सम्पन्न राज्योत्सव-2025 के दौरान गृह निर्माण मंडल ने नवा रायपुर स्थित मेला स्थल पर अपनी विभिन्न योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई थी, जिसे नागरिकों का भरपूर प्रतिसाद मिला। हजारों आगंतुकों ने हाउसिंग बोर्ड के स्टॉल का भ्रमण कर संपत्तियों में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी स्टॉल का अवलोकन कर हाउसिंग बोर्ड के कार्यों की सराहना की थी। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य हर परिवार को अपना पक्का घर उपलब्ध कराना है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा आयोजित यह राज्य स्तरीय आवास मेला प्रदेशवासियों के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि वर्ष 2027 तक प्रत्येक परिवार के पास अपना पक्का छत हो।

रजत जयंती वर्ष पर परदेस में भी बिखरी छत्तीसगढ़ की खूबसूरती

सैन फ्रांसिस्को के भारतीय दूतावास में भी हुआ राज्योत्सव का आयोजन

- प्रवासी छत्तीसगढ़िया बने राज्य के सांस्कृतिक राजदूत
- छत्तीसगढ़ी संस्कृति को विश्व में दे रहे पहचान - सीएम साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और लोक-कला ने विदेश की भूमि पर अपनी विशेष छाप छोड़ी। इस कार्यक्रम में नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (नाचा) के बे एरिया चैप्टर ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य को समर्पित एक आकर्षक स्टॉल लगाया, जिसमें राज्य के विशिष्ट उत्पादों, हस्तशिल्प, लोककला और पारंपरिक आभूषणों का सुंदर प्रदर्शन किया गया।

इस स्टॉल के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति और हस्तशिल्प की विविधता को प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों ने अत्यंत सराहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य का मनमोहक प्रदर्शन, जिसने वहां मौजूद भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों के प्रतिनिधियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में प्रस्तुत यह लोकनृत्य न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि उसने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की आत्मा को भी सजीव कर दिया।

नाचा के सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य छत्तीसगढ़ की संस्कृति, भाषा और लोक परंपरा को विश्व के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि प्रवासी छत्तीसगढ़वासी अपने मूल राज्य की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

इस आयोजन ने उन्हें अपनी जड़ों से भावनात्मक रूप से जोड़ने का एक सशक्त अवसर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नाचा बे एरिया चैप्टर के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि उनका यह प्रयास छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपराओं को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी छत्तीसगढ़वासी राज्य के सांस्कृतिक राजदूत हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए छत्तीसगढ़ की अस्मिता, संस्कृति और मूल्यों को पूरी दुनिया में स्थापित कर रहे हैं।

बड़ेकनेरा में जिला स्तरीय बस्तर ओलम्पिक कल से

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर क्षेत्र के युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें नया मंच देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ 12 नवंबर को सुबह 11 बजे से खेलो इंडिया तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र, बड़ेकनेरा रोड में होगा। यह आयोजन 12 नवंबर से 15 नवंबर तक चलेगा, जिसमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, कराते, वेटलिफ्टिंग, खो-खो, रस्साकस्सी, व्हॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन और फुटबॉल जैसे खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

वरिष्ठ खेल अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के पहले दिन 12 नवंबर को 14 से 17 आयु के बालिका वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर, कनेरा रोड में तीरंदाजी, न्यू स्टेडियम, कनेरा रोड, नगरपालिका कोण्डागांव में एथलेटिक्स, ऑडिटोरियम के पीछे कोण्डागांव में खो-खो, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, वॉलीबॉल मैदान, कोण्डागांव में व्हालीवॉल, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, कबडडी मैदान, कोण्डागांव में कबडडी, नगर पालिका बैडमिंटन कोर्ट, ऑडिटोरियम के बाजू में बैडमिंटन और पुलिस लाइन, फुटबॉल मैदान में फुटबॉल की प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी।

दूसरे दिन 13 नवंबर को 17 से अधिक आयु के महिला वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर, कनेरा रोड में तीरंदाजी व रस्साकस्सी, न्यू स्टेडियम, कनेरा रोड, नगरपालिका कोण्डागांव में एथलेटिक्स, जूडो हॉल, ऑडिटोरियम के पीछे कोण्डागांव में करातेव वेटलिफ्टिंग, ऑडिटोरियम के पीछे कोण्डागांव में खो-खो, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, वॉलीबॉल मैदान, में व्हॉलीबॉल, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, कबड्डी मैदान में कबड्डी, नगर पालिका बैडमिंटन कोर्ट, ऑडिटोरियम के बाजू बैडमिंटन और पुलिस लाइन, फुटबॉल मैदान में फुटबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

इसी प्रकार तीसरे दिन 14 नवंबर को 17 से अधिक आयु के पुरूष वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर में तीरंदाजी, न्यू स्टेडियम, कनेरा रोड, नगरपालिका में एथलेटिक्स, जूडो हॉल, ऑडिटोरियम के पीछे कराते व वेटलिफ्टिंग, ऑडिटोरियम के पीछे खो-खो, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, वॉलीबॉल मैदान में व्हालीवॉल, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, कबड्डी मैदान में कबड्डी, नगर पालिका बैडमिंटन कोर्ट में बैडमिंटन और पुलिस लाइन, फुटबॉल मैदान में फुटबॉल के प्रतियोगिताएं होंगी। 15 नवंबर को 14 से 17 आयु वर्ग के बालक वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर में तीरंदाजी, न्यू स्टेडियम, कनेरा रोड, नगरपालिका में एथलेटिक्स, जूडो हॉल, ऑडिटोरियम के पीछे कराते व वेटलिफ्टिंग, ऑडिटोरियम के पीछे खो-खो, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, वॉलीबॉल मैदान में व्हालीवॉल, खेल परिसर बडेकनेरा रोड, कबड्डी मैदान में कबड्डी, नगर पालिका बैडमिंटन कोर्ट में बैडमिंटन और पुलिस लाइन, फुटबॉल मैदान में फुटबॉल के प्रतियोगिताएं होंगी।

बाल दिवस पर बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान, हुई प्रतियोगिताएं

'राष्ट्र की पूंजी होती हैं बेटियां' विषय पर बेटियों ने लिखी कहानियां

श्रीकंचनपथ समाचार

मनेन्द्रगढ़। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हल्दीबाड़ी चिरमिरी में आज बाल दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत कहानी लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का प्रेरणादायी आयोजन किया गया।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की थीम हर बालिका राष्ट्र की पूंजी और कहानी लेखन प्रतियोगिता का विषय मेरे सपनों का भविष्य रखा गया। इस आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं को अपने विचारों, सपनों और आकांक्षाओं को सृजनात्मक रूप में व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। संचालन जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया।

छात्राओं ने अपनी भावनाओं को आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त करते हुए ऐसी कहानियाँ प्रस्तुत कीं जिनमें उनके उज्ज्वल भविष्य और सशक्त भारत की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य चंदन दत्ता, शिक्षिकाएँ, मिशन शक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग की वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ अनीता कुमारी शाह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर अमीषा कुशवाहा की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बनाया। यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि बालिकाओं के आत्म विश्वास, सृजनशीलता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों द्वारा श्रेष्ठ कहानियों का चयन किया गया और प्रतिभागी बालिकाओं को प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय परिसर उत्साह, उल्लास और प्रेरणा के वातावरण से गूंज उठा, जहाँ प्रत्येक बालिका ने अपने भीतर की शक्ति और संभावनाओं को पहचानने का संकल्प लिया।

गोयल टीएमटी ने लगाया सबसे बड़ा बिल्डिंग रैप, बनाया रिकार्ड

गोल्डन बुक ने शामिल किया नाम, रायपुर में किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड ने विज्ञापन के क्षेत्र में नया इतिहास रचते हुए रायपुर में भारत का सबसे बड़ा बिल्डिंग रैप स्थापित किया है। इस उपलब्धि के लिए कंपनी को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया है। यह विशालकाय बिल्डिंग रैप रायपुर के आर्क ब्रिज कैनाल रोड स्थित एक प्रमुख भवन पर लगाया गया है, जिसने शहर के स्काईलाइन में एक नई पहचान जोड़ दी है।

कंपनी ने बताया कि यह प्रयोग ब्रांड की मजबूत उपस्थिति और नवाचार को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया गया है।

बिल्डिंग रैप की प्रमुख विशेषताएं: -

1. रैप का कुल आकार 23,958 वर्गफुट है, जो देश में अब तक का सबसे बड़ा इंस्टॉलेशन माना जा रहा है। 2. भवन के पांच फ्लोर को कवर करने वाले इस रैप को लगाने का कार्य 35 मजदूरों की टीम ने लगातार 5 दिनों तक दिन-रात काम करके पूरा किया। 3. इंस्टॉलेशन के लिए उपयोग किया गया विशेष फ्लैक्स मुंबई से कस्टम-निर्मित कर मंगवाया गया था।

सम्मान प्राप्त करने के बाद कंपनी के डायरेक्टर संदीप गोयल ने कहा कि गोयल टीएमटी पिछले 25 वर्षों से गुणवत्ता और मजबूती का प्रतीक रहा है।

उन्होंने कहा, इस बिल्डिंग रैप का उद्देश्य यह संदेश देना है कि गोयल टीएमटी रायपुर के हर इंच में मौजूद है और देश के निर्माण को और अधिक मजबूत बनाने में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस उपलब्धि के बाद कंपनी ने प्रदेश में बड़े पैमाने पर ब्रांड की उपस्थिति को और बढ़ाने की योजना की भी झलक दी है।

मनेन्द्रगढ़ जनपद में राजकीय ग्रामीण स्वराज का प्रशिक्षण

सुरेश मिनोचा

मनेन्द्रगढ़। ग्रामीण भारत के विकास को नई ऊर्जा देने और जनप्रतिनिधियों को सशक्त नेतृत्व के रूप में तैयार करने की दिशा में मनेन्द्रगढ़ जनपद पंचायत में राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन अमृत सदन सभागार में हो रहा है, जहाँ जनप्रतिनिधियों को शासन-प्रशासन से जुड़ी जिम्मेदारियों, जनता के प्रति जवाबदेही और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। राजकीय ग्रामीण स्वराज अभियान का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एनजीओ के सहयोग से संचालित हो रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना है ताकि गाँव-गाँव में विकास की गूंज सुनाई दे।

प्रशिक्षण सत्र में जनप्रतिनिधियों को शासन की प्रमुख योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, किसान सम्मान निधि, जन धन योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचा सकें और ग्रामीण विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें।

प्रशिक्षकों ने बताया कि ग्रामीण विकास की असली ताकत जनप्रतिनिधियों के हाथों में है, और जब वे जागरूक एवं प्रशिक्षित होंगे, तभी शासन की योजनाएं जमीनी स्तर पर सफल होंगी।

मनेन्द्रगढ़ विकासखंड सहित पूरे मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विभिन्न जनपदों में इस अभियान के तहत क्रमवार प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम अन्य जिलों में भी विस्तार पा रहा है ताकि राज्य स्तर पर एक संगठित, प्रशिक्षित और जागरूक ग्रामीण नेतृत्व तैयार हो सके। इस प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल योजनाओं का ज्ञान बढ़ रहा है, बल्कि जनप्रतिनिधियों में अपने क्षेत्र के विकास को लेकर जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित हो रही है।

अभियान का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को शासन की कार्यप्रणाली से जोड़ना, ग्राम पंचायतों को जवाबदेह बनाना, ग्रामीणों में योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विकास कार्यों में भागीदारी सुनिश्चित करना है।

एसआईआर हेल्प डेस्क में सुपरवाइजर नियुक्त

रायपुर। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत जिला एवं सभी तहसील स्तरों पर मतदाता हेल्प डेस्क तथा आई.टी. डेस्क की स्थापना की गई है। इस संबंध में पात्र मतदाताओं को सहायता प्रदान करने तथा प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु बी.एल.ओ. सुपरवाइजरों की नियुक्ति की गई है। जिला स्तरीय में रौशनी - 0771-2421812, तहसील स्तरीय में धरसींवा भावेश वर्मा पटवारी, खरोरा अनिमेश श्रीवास्तव पटवारी, तिल्दा दिनेश कुमार डहरिया पटवारी, मंदिरहसौद ओम प्रकाश देवांगन पटवारी, आरंग महेंद्र वर्मा पटवारी, रायपुर हेमंत भतपहरी, अभनपुर में नन्द कुमार साहू तैनात किए गए हैं।

सिलफिली में लर्निंग लाइसेंस शिविर

सूरजपुर। शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में एनएसएस यूनिट द्वारा छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिला परिवहन विभाग सूरजपुर छत्तीसगढ़ के सहयोग से महाविद्यालय में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

महेश बाबू ने ग्लोब ट्रॉटर का किया एलान, रामोजी फिल्म सिटी में लॉन्च होगी एसएसएमबी 29 की पहली झलक?

सुपरस्टार महेश बाबू और निर्देशक एसएस राजामौली की आगामी फिल्म एसएसएमबी29 को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। इस उत्साह के बीच एसएसएमबी29 के मेकर्स ने महेश बाबू का एक नया वीडियो जारी किया। इस वीडियो में महेश बाबू ने ग्लोब ट्रॉटर नाम के इवेंट का एलान किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक दिखाने की योजना बनाई है। यह 15 नवंबर को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित होगा।

राजामौली की आगामी फिल्म, जिसका संभावित नाम एसएसएमबी29 रखा गया है, के मेकर्स ने फिल्म के लिए एक बड़ा अपडेट साझा किया है, जिसमें महेश बाबू ने फिल्म की पहला ऑफिशियल अनाउंसमेंट किया है। शेयर किए गए वीडियो मैसेज में तेलुगु सुपरस्टार ने एलान किया कि फिल्म का पहला कार्यक्रम 15 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

वीडियो के जरिए फैन्स को न्योता

वीडियो के जरिए महेश बाबू ने फैंस को इस कार्यक्रम में आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा, आप महीनों से पूछ रहे हैं, और अब समय आ गया है। 15 नवंबर को, दुनिया हमारी कहानी में अपना पहला कदम रखेगी। हम जो कुछ भी पूरे दिल से बना रहे हैं, उसका अनुभव करें।

इनके इस मैसेज ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है, जो इस प्रोजेक्ट के अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। राजामौली के बेटे एसएस कार्तिकेय ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, ग्लोब ट्रॉटर के शब्दों को मार्क करें। 15 नवंबर के लिए तैयार हो जाइए। इस कार्यक्रम में फिल्म के मुख्य कलाकारों महेश बाबू, पृथ्वीराज सुकुमारन, प्रियंका चोपड़ा और अन्य के शामिल होने की उम्मीद है।

कुंभा के रूप में पृथ्वीराज सुकुमारन का पहला लुक जारी किया

7 नवंबर को, मेकर्स ने कुंभा के रूप में पृथ्वीराज सुकुमारन का पहला लुक जारी किया था। राजामौली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पोस्टर को शेयर करते हुए सुकुमारन को अपने अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक बताया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, पृथ्वी के साथ पहला शॉट शूट करने के बाद, मैं उसके पास गया और कहा कि तुम उन बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हो जिन्हें मैंने कभी जाना है। इस भयावह, निर्दयी, शक्तिशाली खलनायक कुंभा को जीवंत करना रचनात्मक रूप से बहुत संतोषजनक था। धन्यवाद पृथ्वी, अपनी कुर्सी पर बैठने के लिए।।। सचमुच।।। ग्लोब ट्रॉटर।

फिल्म की फाइनल टाइटल का अभी तक खुलासा नहीं

महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा राजामौली की निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी मुख्य भूमिका में हैं। राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत आरआरआर की अपार सफलता के बाद, ग्लोब ट्रॉटर या एसएसएमबी29 राजामौली की अगली बड़ी फिल्म है। हालांकि टीम ने अभी तक फिल्म के फाइनल टाइटल का खुलासा नहीं किया है।

यामी गौतम से सीखी अभिनय की बारीकियां, वर्तिका सिंह ने बताया हक के सेट का अनुभव

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। को दिए इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की।

उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे। वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे।

वर्तिका ने कहा, मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए।

फिल्म हक में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी शाजिया नाम की महिला की भूमिका में हैं। कहानी में साइरा शाजिया के पति (इमरान हाशमी) के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद कानूनी जंग शुरू होती है। इस फिल्म का निर्देशन सुपर्ण वर्मा ने किया है। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

अरबाज खान की हॉरर फिल्म काल त्रिघोरी का ट्रेलर हुआ जारी रिलीज डेट भी आई सामने

इन दिनों दर्शक हॉरर फिल्मों को पसंद कर रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुई हॉरर फिल्म थामा को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। ऐसे में जल्द ही सिनेमाघरों में हॉरर फिल्म काल त्रिघोरी रिलीज होने वाली है। आज इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है जो काफी दमदार और डरावना है। ट्रेलर में अरबाज खान, ऋतुपर्णा सेनगुप्ता, महेश मांजरेकर और आदित्य श्रीवास्तव अभिनय करते नजर आए हैं।

मेकर्स ने आज काल त्रिघोरी का ट्रेलर जारी किया है। ट्रेलर में डरावनी आवाज सुनाई देती है, गुड़िया, हवेली और काली बिल्ली के दृश्य दिखाई देते हैं। ट्रेलर में कलाकार एक दूसरे से इस बात पर बहस करते हैं कि आत्माएं होती हैं या नहीं। कोई कहता है आत्माएं होती हैं तो कोई उनके वजूद को मानने के लिए तैयार नहीं होता है।

फिल्म काल त्रिघोरी का ट्रेलर तो दमदार है ही, इसके साथ इसके संवाद भी दमदार और डराने वाले हैं। ट्रेलर के संवाद कुछ इस तरह हैं काल त्रिघोरी 100 साल में आता है। बिल्ली आत्मा देख लेती है। ये भूत-प्रेत, जादू-टोना क्या सब सच है? मुझे मालूम है तू यह सब मानता नहीं है, आत्माएं होती हैं। मैं उस आत्मा को यहां बुलाउंगा। हवेली के ऊपर किसी बुरी आत्मा का साया है। ट्रेलर में ही बताया गया है कि फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक नितिन वैद्य हैं और वही इसके लेखक भी हैं। इसके निर्देशक शिरीष वैद्य, नितिन घटालिया है।

रणवीर सिंह की धुरंधर से संजय दत्त का दमदार लुक जारी

इस साल की मच अवेटेड फिल्म धुरंधर से मेकर्स आए दिन एक्टर्स के पहले लुक जारी कर रहे हैं। पहले अर्जुन रामपाल, फिर आर माधवन और अब संजय दत्त का लुक भी फिल्म से जारी कर दिया गया है। इस फिल्म में मल्टी स्टारकास्ट मौजूद है जो पर्दे पर एक साथ धमाल मचाने के इरादे से साथ आ रही है। फिल्म के ट्रेलर को 12 नवंबर को 12 बजकर 12 मिनट पर रिलीज किया जाएगा। उससे पहले संजय दत्त का फर्स्ट लुक भी जारी कर दिया गया है।

मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टर में संजय काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। इसके अलावा कैप्शन में लिखा गया है- द जिन। यानी संजय के किरदार को इसी तरह से फिल्म में दिखाया जा सकता है जैसे कि वो एक जिन हैं। साथ ही मेकर्स ने बताया है कि फिल्म के ट्रेलर के लिए अब बस दो दिन और बचे हैं।

इससे पहले रविवार को अभिनेता आर माधवन का लुक भी जारी किया गया था। इस लुक में आर माधवन के सिर पर आगे से बाल गायब थे। इसके अलावा उन्होंने चश्मा पहना हुआ था। उनके पोस्टर को साझा करते हुए लिखा गया था- कर्म का सारथी। इसी के साथ ही बताया गया है कि फिल्म का ट्रेलर 12 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा 5 दिसंबर को फिल्म रिलीज हो रही है। कुछ इसी तरह अर्जुन रामपाल का लुक भी फिल्म से जारी किया जा चुका है।

पिछले महीने 'धुरंधर' का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया था। इसमें रणवीर सिंह का दमदार अंदाज देखने को मिला था। इससे पहले जुलाई के महीने में फिल्म का फर्स्ट लुक टीजर जारी किया गया था। इसमें पूरी कास्ट की एक झलक देखने को मिली थी।

आदित्य धर द्वारा लिखित और निर्देशित 'धुरंधर' में एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आने वाली है। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा कुछ तो सामने नहीं आया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी।

तो ज्यादा जीते हैं गंदी गालियां देने वाले लोग! रिसर्च में हैरान करने वाला दावा, साइंस की नजर में समझें

हमने हमेशा यही सुना है कि गालियां देना गलत आदत है। घर में बड़े-बुजुर्ग अक्सर बच्चों को समझाते हैं कि गालियां मत दो, ये बुरी बात है। समाज में भी गालियां देने वाले लोगों को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता। लेकिन हाल ही में आई एक नई रिसर्च ने सबको हैरान कर दिया है। रिसर्च में ये सामने आया है कि जो लोग बात-बात पर गालियां देते हैं, वे दूसरों की तुलना में ज्यादा लंबी ज़िंदगी जीते हैं। ये सुनकर भले ही आपको अजीब लगे, लेकिन साइंस ने इसे प्रूव कर दिया है।

अमेरिका के न्यू जर्सी के रिसर्चर्स ने इस पर स्टडी की। उन्होंने यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों को अपने शोध में शामिल किया। सभी छात्रों को एक टेस्ट दिया गया जिसमें उन्हें अपने हाथ को बर्फ से भरे पानी में डालकर रखना था। जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू हुआ, तो देखा गया कि जो छात्र गालियां दे रहे थे, वे अपने हाथ को पानी में ज्यादा देर तक रख पाए। वहीं जो छात्र शांत थे और गालियां नहीं दे रहे थे, वे जल्दी ही हाथ बाहर निकाल लेते थे। इस एक्सपेरिमेंट से साफ हुआ कि गालियां देने से इंसान की सहनशक्ति बढ़ती है और वो दर्द व तनाव को ज्यादा देर तक झेल पाता है।

स्टडी में ये भी पाया गया कि जब इंसान गालियां देता है, तो उसका दिमाग हल्का महसूस करता है। दरअसल, गालियां देने से गुस्सा और तनाव कम हो जाता है। जब दिमाग पर बोझ कम होता है, तो इंसान मुश्किल हालात का सामना आसानी से कर लेता है। यही कारण है कि जिन लोगों की ये आदत होती है, वे मानसिक तौर पर ज्यादा मजबूत रहते हैं। गालियां देना एक तरह का स्ट्रेस-रिलीफ का तरीका है।

राधिका आप्टे की साली मोहब्बत ओटीटी पर रिलीज को तैयार

बॉलीवुड में राधिका आप्टे अपनी अलग अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म साली मोहब्बत को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसे पहले आईएफएफआई गोवा में और शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है।

यह फिल्म एक छोटे शहर की गृहिणी स्मिता की कहानी है। उसका शांत और सरल जीवन तब बिखरने लगता है जब उससे जुड़े कई रहस्य उजागर होने लगते हैं। फिल्म साली मोहब्बत में बेवफाई और धोखे जैसे विषय दिखाए गए हैं। फिल्म जल्द ही जी5 पर रिलीज होने वाली है।

टिस्का चोपड़ा ने वैरायटी को फिल्म के बारे में बताते हुए कहा, मैं हमेशा से रिश्तों की सतह के नीचे मौजूद शांत तनावों को जानने में दिलचस्पी रखती हूं। उन चीजों को भी जानने की इच्छुक रही हूं, जिनसे प्यार किसी गहरे अंधेरे में बदल सकता है।

टिस्का चोपड़ा ने आगे कहा कि फिल्म का निर्देशन करने से उन्हें महिला फिल्म निर्माताओं के लिए बनाई गई सीमाओं से आगे बढ़ने का मौका मिला।

टिस्का चोपड़ा के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में राधिका आप्टे के अलावा दिव्येंदु शर्मा, अनुराग कश्यप, अंशुमान पुष्कर, सौरसेनी मैत्रा और शरत सक्सेना हैं। फिल्म का प्रोडक्शन जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा के स्टेज5 प्रोडक्शन ने किया है।

राधिका आप्टे ने साल 2005 में वाह! लाइफ हो तो ऐसी फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। 2024 में वह फिल्म सिस्टर मिडनाइट में नजर आई थीं। इसके बाद वह 2025 में अमेरिकन फिल्म लास्ट डेज में नजर आईं।

जनजातीय गौरव के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा: मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम नवा रायपुर अटल नगर स्थित आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में जनजातीय समाज का गौरवशाली ऐतिहासिक, सामाजिक एवं अध्यात्मिक योगदान'' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में शामिल हुए।

आदिम जाति विकास मंत्री नेताम ने शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत काफी समृद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया है। इस वर्ष बिरसा मुण्डा जी के 150वीं वर्ष पूर्ण होने पर 15 से 20 नवंबर तक जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव पखवाड़ा चल रहा है। 15 नवंबर को सभी जिलों सहित आश्रम-छात्रावासों में वृहद रूप से जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर जनजातीय नृत्य, गीत-संगीत, लोक कला, वाद-विवाद, भाषण, पेंटिंग सहित विविध आयामों पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ की धरती अंबिकापुर में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आगमन प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के कर-कमलों से विजेताओं, कलाकारों और छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

आदिम जाति कल्याण मंत्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती अंबिकापुर में जनजातीय समाज के ही सर्वोच्च पद पर स्थापित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आ रही है। यह हम सब के लिए गौरव की बात है। हमें कार्यक्रम में संवेदनशीलता के साथ सहभागी बनते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना है।

उन्होंने कहा कि विरासत से प्रेरणा लेने से विकास के लिए नयी दिशा भी बनती है। उन्होंने कहा कि विरासत के स्वतंत्रता आंदोलन, अध्यात्म और संस्कृति के साथ-साथ सामाजिक विकास में योगदान को स्मरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाली नयी पीढ़ियों को पुरखों के योगदान से अवगत कराएं ताकि उनसे प्रेरणा ले ओर सही दिशा में भविष्य का निर्माण कर सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पीएम जनमन योजना, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से जनजातीय बाहुल्य गांवों का कायाकल्प किया जा रहा है। कार्यशाला को अध्यक्ष स्थानीय स्वास्थ्य एवं औषधीय पादप बोर्ड विकास मरकाम, अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग रूपसिंह मण्डावी तथा मुख्य वक्ता रामाधार कश्यप ने भी संबोधित किया। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कार्यशाला में कहा कि विभाग जनजातीय गौरव एवं अस्मिता के संरक्षण हेतु दस्तावेजीकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विभाग द्वारा आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था सुदृढ़ करने के साथ ही नयी पहल करते हुए समय-सीमा निर्धारित कर छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वही सुदूर अंचल में निवासरत जनजाति परिवारों एवं उस क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से विकास की दिशा में तत्परता से काम कर रही है।

यह भी गौरव का विषय है कि हाल ही में 01 नवम्बर को राज्योत्सव के मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों द्वारा जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में बने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह संग्रहालय का उद्घाटन हुआ है। स्वागत भाषण टीआरटीआई की संचालक हीना अनिमेश नेताम ने दिया और आभार प्रदर्शन आयुक्त डॉ. सारंश मित्तर ने किया। कार्यशाला में सभी जिलों के सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास, वनवासी कल्याण समिति, वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में पहली बार महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों हेतु राज्य स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य स्वास्थ्य प्रशिक्षण संस्थान के सौजन्य से महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षक (एलएचवी) हेतु एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के उपरांत महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षक उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) के मामलों को संभालने में पहले से अधिक दक्ष होंगी और इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी।

राज्य में इस तरह का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमें महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों के क्षमता संवर्धन को लेकर पहल की गई है। इस अवसर पर सचिव, स्वास्थ्य अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला, संचालक महामारी नियंत्रण डॉ एस के पामभोई, संयुक्त संचालक डॉ. निर्मला यादव, उप संचालक (मातृत्व स्वास्थ्य) डॉ. शैलेन्द्र अग्रवाल, उप संचालक (शिशु स्वास्थ्य) डॉ. वी. आर. भगत, यूनीसेफ से डॉ. गजेन्द्र सिंह (स्वास्थ्य विशेषज्ञ) एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण का प्रथम बैच था, जिसके पश्चात आगामी चरणों में 14 बैचों के माध्यम से पूरे राज्य की महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की प्रथम पंक्ति में कार्यरत हैं, बल्कि संस्थागत स्वास्थ्य सेवाओं और समुदाय के मध्य एक सशक्त सेतु के रूप में भी अपनी भूमिका निभाती हैं। प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रजनन, मातृ, शिशु, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाओं पर केंद्रित विषयों जैसे — एएनसी , उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान एवं प्रबंधन, पीएमएसएमए कार्यक्रम, प्रसव पूर्व एवं पश्चात देखभाल, संक्रमण नियंत्रण, नवजात देखभाल तथा रेफरल समन्वय प्रणाली पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को समूह चर्चा, केस स्टडी एवं व्यवहारिक अभ्यास के माध्यम से अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के दौरान नेतृत्व क्षमता, कार्यकुशलता एवं समुदाय से जुड़ाव को सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में पोस्ट-टेस्ट एवं फीडबैक प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने हेतु निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री जनमन योजना ने बदली सुदूर वनांचल ग्राम सरई की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल और बैगा बाहुल्य क्षेत्र जो कभी सड़कों के आभाव में विकास से वंचित थे अब वहां विकास की नई किरण पहुंच रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत अब ऐसे दुर्गम ग्राम भी सड़क मार्ग से जुड़ रहे हैं, जहां पहले पहुंचना बेहद कठिन था। जिले के बोड़ला विकासखंड के सरई गांव तक वर्तमान में सड़क का निर्माण पूरा किया गया है।

इस सड़क निर्माण से यहां रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति 51 बैगा परिवारों के 371 सदस्यों को मुख्यमार्ग तक पहुंच सुनिश्चित हुई है। पहले यहां तक पहुंचने के लिए कोई पक्का मार्ग नहीं था, गांव तक वाहन नहीं पहुंच पाता था, जिससे ग्रामीणों को आवागमन और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारी परेशानी उठानी पड़ती थी। बारिश के मौसम में स्थिति और भी कठिन हो जाती थी। अब सड़क बनने से गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गयी है। एंबुलेंस गांव तक पहुंच जाती है, जिससे आपात स्थिति में समय पर चिकित्सा सुविधा मिल पा रही है। बच्चों को स्कूल, किसानों को बाजार और ग्रामीणों को आवश्यक वस्तुओं के लिए अब शहर जाना आसान हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से गांव में विकास की नई संभावनाएं खुल गई हैं। अब वाहन सीधे गांव तक आ सकते हैं, जिससे कृषि उपज की बिक्री में सुविधा हो रही है। महिलाएं भी बाजार या स्वास्थ्य केंद्र पहुंच सुगम हो रही हैं।

वे बताती हैं कि पहले सड़क नहीं थी तो शहर जाने में आधा दिन लग जाता था। अब 15 मिनट में सड़क तक पहुंच जाते हैं। बच्चे स्कूल आसानी से जा पा रहे हैं और मरीजों को तुरंत एंबुलेंस की सुविधा मिल रही है। ये हमारे जीवन के लिए बहुत बड़ा बदलाव है। जनमन योजना ने वनांचल वासियों के जीवनधारा बदली है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत यह सड़क निर्माण कार्य न सिर्फ भौगोलिक दूरी मिटा रही है बल्कि सामाजिक और आर्थिक दूरी भी घटा रही है।

नक्सल लीडरों के परिजनों से मुलाकात कर उपमुख्यमंत्री ने की पुनर्वास की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा अचानक सुकमा जिले के कोंटा विकासखण्ड के अतिसंवेदनशील ग्राम पूर्वर्ती पहुंचे। जहां उन्होंने गांव में जनचौपाल का आयोजन किया। इस चौपाल में समस्त ग्रामवासी और पूर्वर्ती से संबंध रखने वाले नक्सल लीडर माड़वी हिड़मा एवं बारसे देवा के परिजन भी शामिल हुए।

जिसमें माड़वी हिड़मा की माता माड़वी पुंजी तथा बारसे देवा की माता बारसे सिंगे भी शामिल थीं। उनके साथ बारसे देवा के परिवार से चाचा बारसे ढुंगा, भाई बारसे भीमा, बारसे सन्ना, बारसे आमता, बारसे सीमडा, भतीजा बारसे मड़का, बारसे हिड़मा, बहु बारसे जोगी एवं माड़वी हिड़मा के परिजनों में चाचा माड़वी देवा, माड़वी सोमा, चाची माड़वी सुक?की, भाई माड़वी हड़मा, माड़वी मासे, बहु माड़?वी मंगली भी उपस्थित रहे।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से मुलाकात की और गांव में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। जहां ग्रामीणों ने बताया कि पहले यहां ना तो सड़क थी ना ही कोई आधारभूत व्यवस्था और बारिश के दिनों में तो गांव एक टापू बन जाता था ना तो कोई आ सकता था ना जा सकता था। नियद नेल्ला नार योजना से अब गांव में रोड आ गयी है राशन, दवाइयां, खाद अब ग्राम में ही मिल जाता है। उपमुख्यमंत्री ने सभी के साथ मुलाकात कर उनके साथ उनके साथ खाना खाया और उन्हें उपहार भी दिए और उनके द्वारा की गई मांगों को पूरा करने हेतु अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

नक्सल लीडरों के परिजनों से भी उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आत्मीय मुलाकात कर उनके माता पिता से आशीर्वाद लिया। जहां उनकी माताओं श्रीमती माड़वी पुंजी तथा श्रीमती बारसे सिंगे ने बताया कि वे बड़े गैर जिम्मेदाराना तरीके से सब कुछ छोड़ कर जंगल में हथियार लेकर भटक रहे हैं। उन्होंने अपने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि परिवार, गाँव, समाज को छोड़कर जंगल में हथियार लेकर भटकने से किसी का भला नहीं हो रहा है। अपने हथियार छोड़कर पुनर्वास का रास्ता चुनो और समाज, परिवार, परिजनों के बीच रहकर विकास एवं सबके हित के लिए कार्य करें। उनकी माताओं ने भी वीडियो जारी कर अपने बेटों को पुनर्वास करने की अपील की है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने परिजनों से कहा कि उनका प्रयास है कि सभी भटके युवा हथियार छोड़ पुनर्वास कर लेते हैं तो शासन उनका ख्याल रखेगी और समाज के बीच रहकर अहिंसक तरीके से मुख्यधारा में शामिल होकर वे क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर सकते हैं। क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए सभी के साथ की आवश्यकता है।

रितु मेश्राम ने सोलर पैनल लगवाकर पर्यावरण संरक्षण में निभाई सहभागिता

रायपुर। रितु मेश्राम एक शिक्षिका होने के साथ-साथ प्रकृति प्रेमी भी हैं। हरे-भरे पौधों और स्वच्छ वातावरण से उनका गहरा जुड़ाव है। घर के आंगन से लेकर छत तक वे हरियाली से सजा कर रखती हैं। बच्चों को पढ़ाते समय वे हमेशा पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाती हैं और यही सीख वे अपने जीवन में भी उतार रही हैं। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने अपने घर की छत पर जुलाई माह में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर सिस्टम लगवाया।

सोलर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी सहभागिता निभा रही है। समृद्धि कॉलोनी, बलौदाबाजार निवासी रितु मेश्राम ने बताया कि पहले हर महीने आने वाला बिजली बिल एक बड़ी चिंता थी लेकिन अब सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से यह बोझ लगभग शून्य हो गया है। सरकार द्वारा मिली सब्सिडी ने इस पहल को और भी आसान बना दिया।

पीएम आवास से सुखबती की जिन्दगी में आया सुकून

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार योजना माओवाद प्रभावित ग्रामों के विकास में नई उम्मीद बनकर उभरी है। इसी योजना के तहत कांकेर जिले के ग्राम पानीडोबीर की सुखबती का कच्चे खपरैलयुक्त घर में रहने का संघर्ष अब पक्के आवास में सुकून भरे जीवन में बदल गया है। श्रीमती सुखबती, पति कुंवरसिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये की स्वीकृति मिली। प्रारंभिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने आवास निर्माण कार्य पूरा किया। नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत पंचायत एवं जिला प्रशासन से लगातार सहयोग प्राप्त हुआ। भावसार फाउंडेशन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को राजमिस्त्री प्रशिक्षण मिलने से निर्माण कार्य में आसानी हुई। मनरेगा से 90 दिनों की मजदूरी और 45 हजार रुपये की अपनी बचत से उन्होंने अपने सपनों का पक्का घर तैयार किया।

सुखबती ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं ने उनकी तकदीर और घर दोनों बदल दिए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

पीएमश्री मॉडल स्कूल नगपुरा ने बनाई अपनी विशिष्ट पहचान

स्कूल में नवाचार को दिया जा रहा है बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जब हमारे विद्यालय का चयन प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना के अंतर्गत हुआ। जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल है। तब यह हमारे लिए विकास, नवाचार और सर्वांगीण परिवर्तन के एक नए युग की शुरुआत थी। यह कहानी दुर्ग जिले में स्थित नगपुरा स्कूल की है मोदी जी के इस प्रेरक विज़न ने हमें ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया जहाँ अनुभवात्मक अधिगम, सतत विकास और उत्कृष्टता को समान महत्व दिया जाता है।

विद्यालय के प्राचार्य बसंत कुमार यादव ने बताया कि आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, सुसज्जित विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ और रचनात्मक शिक्षण कोने ने शिक्षण को अधिक रोचक और विद्यार्थी-केंद्रित बना दिया है। विद्यालय परिसर अब पूर्णत: पर्यावरण-मित्र बन चुका है। कचरा पृथक्करण, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा संयंत्र और वृक्षारोपण जैसे कार्यों से हरियाली और स्वच्छता को बढ़ावा मिला है। हरित पहल के अंतर्गत विद्यार्थी सक्रिय रूप से वृक्षारोपण, कचरा प्रबंधन, एवं स्वच्छता अभियानों में भाग लेते हैं, जिससे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो रही है।

समावेशी एवं समग्र शिक्षा

खेल, योग, कला, संगीत और जीवन-कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास किया जा रहा है। शैक्षणिक भ्रमण एवं शैक्षिक यात्राएँ विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन से जोड़ती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। समुदाय एवं अभिभावक सहभागिता विद्यालय और समुदाय के बीच अब एक सशक्त संबंध स्थापित हुआ है। शाला विकास समिति स्स्ष्ट और स्थानीय ग्रामीण अब विद्यालय की योजनाओं एवं गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। अभिभावक-शिक्षक बैठकें, जागरूकता रैलियाँ और स्वच्छता अभियान ने विद्यालय को एक सामुदायिक विकास केंद्र बना दिया है। इस सहभागिता से नामांकन में वृद्धि, उपस्थिति में सुधार और अभिभावकों का विद्यालय के प्रति विश्वास बढ़ा है। आगामी वर्षों में हमारा PM SHRI विद्यालय निम्नलिखित लक्ष्यों की ओर अग्रसर रहेगा स्ज्ञश्वरू एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रयोगशालाओं की स्थापना, ताकि विद्यार्थी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के Digital India विज़न से जुड़ सकें। विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास केंद्र की स्थापना, जिससे जीवन-कौशल और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा मिले। की स्थापना जिससे जीवन-कौशल और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा मिले।

शिक्षण एवं अधिगम में नवाचार

विद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप गतिविधि-आधारित, जिज्ञासा-आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण पद्धतियाँ अपनाई हैं । यह वही दिशा है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नये भारत की शिक्षा के रूप में देखा है। शिक्षकों ने PM SHRI प्रशिक्षण एवं E&posure Visits के माध्यम से नवीन शिक्षण तकनीकें सीखी हैं। डिजिटल उपकरणों, कला-समेकित शिक्षण और परियोजना-आधारित अधिगम ने विद्यार्थियों की सृजनशीलता और समस्या समाधान क्षमता को बढ़ाया है। विद्यालय में शिक्षण पद्धति में सकारात्मक बदलाव आया है, जिससे कक्षा-कक्ष अधिक आनंदमय और सहभागितापूर्ण बने हैं।

शत-प्रतिशत डिजिटल क्लासरूम की स्थापना

कक्षा 10वीं में शत-प्रतिशत परिणाम (सत्र 2024-25) नामांकन में वृद्धि वर्ष 2024 में 986 से बढ़कर 2025 में 1028 विद्यार्थी। विद्यार्थियों ने जिला स्तर (दुर्ग) पर प्रथम स्थान और राज्य स्तर पर छठवाँ स्थान प्राप्त किया। विद्यालय को मॉडल पर्यावरण-मित्र एवं नवाचारी परिसर के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ। पुरस्कार एवं विशिष्ट उपलब्धियाँ हमारे विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय का गौरव बढ़ाया जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं (एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी आदि) में उत्कृष्ट प्रदर्शन। सह-शैक्षणिक प्रतियोगिताओं जैसे चित्रकला, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी आदि में प्रथम स्थान। विद्यार्थियों का चयन वीर गाथा पहल में, जहाँ उन्होंने अपने देशप्रेम और सृजनशीलता का परिचय दिया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में कला, संस्कृति एवं नवाचार परियोजनाओं में सम्मान प्राप्त। शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण पद्धति एवं शैक्षणिक नेतृत्व के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

दुर्ग पुलिस ने अपराध रोकने 91 वारंटियों को पकड़ा

भिलाई। दुर्ग जिले में अपराध पर लगाम लगाने तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दुर्ग पुलिस ने 10 नवंबर को पूरे जिले में वारंटियों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने कुल 91 वारंट तामील किए, जिनमें 48 स्थायी और 38 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। पुलिस ने 38 वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। वहीं सभी के फिंगरप्रिंट लेकर डाटा बेस तैयार किया गया है। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने भिलाई, दुर्ग, छावनी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ दबिश दी। भिलाई नगर बीट में 28 वारंट तामील किए गए जिनमें 27 स्थायी और 1 गिरफ्तारी वारंट शामिल रहा। दुर्ग बीट से 21 वारंट, जिनमें 8 स्थायी, 13 गिरफ्तारी हुई। छावनी बीट से 30 वारंट, जिनमें 9 स्थायी, 17 गिरफ्तारी हुई और ग्रामीण क्षेत्र से 12 वारंट तामील किए गए। इनमें 4 स्थायी और 7 गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने बताया कि अभियान में कुल 67 पुरुष और 3 महिला वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं 4 वारंट रद्द (कैंसिल) पाए गए और 11 वारंटियों की मृत्यु की पुष्टि हुई। अभियान के दौरान पकड़े गए सभी आरोपियों को भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल न होने की कड़ी चेतावनी दी गई। पुलिस ने बताया कि यह अभियान सिर्फ वारंट तामील तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आदतन अपराधियों की निगरानी और रिकॉर्ड अपडेट करने का भी सिलसिला जारी रहेगा।

पीडब्लुडी सेक्रेटरी पर हाईकोर्ट ने लगाया 1000 का जुर्माना, डिवीजन बेंच ने जताई कड़ी नाराजगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने पीडब्लुडी सेक्रेटरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि, देखा जा रहा है कि राज्य सरकार के अफसर हाईकोर्ट के आदेशों को बहुत हल्के में ले रहे हैं। इस तरह से प्रशासनिक अफसरों की लापरवाही और टालमटोल रवैए पर सख्त रुख अपनाना जरूरी है। दरअसल, डिवीजन बेंच ने प्रदेश की खस्ताहाल सड़कों पर पीडब्लुडी सेक्रेटरी से शपथपत्र मांगा था। जवाब देने में देरी की वजह से कोर्ट ने जुर्माने की कार्रवाई की है। दरअसल, हाईकोर्ट में राज्य की बदहाल सड़कों को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है। इस दौरान हाईकोर्ट ने बिलासपुर के पेंड्रीडीह बायपास से नेहरू चौक तक की सड़क को लेकर भी सुनवाई की।

पिछली सुनवाई के दौरान 23 सितंबर को हाईकोर्ट ने मरम्मत और नई सड़क निर्माण पर स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। साथ ही कहा था कि एनआईटी रायपुर की रिपोर्ट जल्द ली जाए, ताकि नई सड़क का काम तेजी से शुरू किया जा सके।

बैंक के कलेक्शन कर्मियों ने किया 85 लाख का गबन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुलगांव थाना क्षेत्र के एक निजी बैंक में 85 लाख रुपए के गबन का मामला सामने आया है। बैंक के कलेक्शन कर्मचारियों ने मिलकर यह कांड किया। बैंक से लोन लेने वाले 240 ग्राहकों से लोन की किश्त वसूल कर बैंक में जमा करने के बजाय खुद पर खर्च कर लिया। जब लोन की राशि नहीं जमा हो रही थी तो बैंक प्रबंधन ने ग्राहकों से संपर्क किया तब जाकर इसका खुलासा हुआ। इस मामले में बैंक प्रबंधन की शिकायत के बाद पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं अन्य आरोपी फरार हैं जिसकी तलाश की जा रही है।

240 ग्राहकों से वसूली गयी रकम

दरअसल यह पूरा मामला पुलगांव स्थित ईसाफ स्माल फायनेंस बैंक शाखा से जुड़ा हुआ है। बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मोहित देशमुख ने थाने में इसे लेकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उसने बताया कि ग्राम चंदखुरी निवासी हिरन बाई साहू सहित अन्य 239 ग्राहकों से ईसाफ बैंक से 85 लाख रुपए लोन लिया था। लोन लेने के बाद वह रकम वापस ईसाफ बैंक में जमा नहीं की गई। ऋण लेने वाले ग्राहकों से संपर्क साधा गया तो उन्होंने बताया कि वे लोन की रकम जमा कर चुके हैं। इन लोगों ने बैंक के कलेक्शन कर्मचारियों को लोन की पूरी रकम चुका दी। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि बैंक के कलेक्शन कर्मचारियों ने 24 मई 2024 से 24 जून 2025 के बीच कुल 84 लाख 98 हजार 940 रुपए ग्राहकों से वसूले और स्वयं पर खर्च कर लिया। शिकायत पर पुलगांव पुलिस ने धारा 420, 409, 120-बी भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान पाया गया कि आरोपी बैंक में संग्रह कर्मचारी के रूप में काम करते थे। बैंक द्वारा 240 ग्राहकों को दी गई लोन की राशि टीका राम पाटले, आकाश नायक, अंकिता पाशवान, आर्य गोस्वामी, रेशमा वर्मा, ओमप्रकाश कोसरे एवं अन्य चार लोगों ने एकत्र की। इन कर्मचारियों ने कुल 85 लाख रुपए ग्राहकों से एकत्रित कर बैंक में जमा न कर धोखाधड़ी की। इस मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनसे पूछताछ करने पर राशि गबन करना स्वीकार किए। प्रकरण में अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी शीघ्र की जाएगी।

कार सवार ने वाहन चालक को पीटा, तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बीती रात कार में सवार युवक ने बोरवेल्स गाड़ी को रुकवा कर उसके चालक से बीड़ी मांगी, नहीं देने पर चालक की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस अपराध दर्ज कर आरोपी की पतासाजी में जुट गई है, मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, रामस्वामी ने चक्रधर नगर थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि वह श्रीराम बोरवेल्स की बोर गाड़ी चलाता है। बीती रात तकरीबन 10 बजे वह बोरगाडी क्रमांक सीजी13एटी 9277 को लेकर बोर खनन करने रायगढ से भैसगढी की तरफ जा रहा था। इस दरम्यान जब वह सम्बलपुरी वन देवी मंदिर के पास पहुंचा तो एक स्वीफ्ट डीजायर कार क्रमांक सीजी13एडी4649 में से एक युवक उतरा और उसके वाहन को रुकवा कर उसके पास आया और बीड़ी मांगने लगा। पीड़ित ने बताया कि इस बीच उसने कहा कि वह बीड़ी नहीं पीता और उसके पास बीड़ी नहीं है। महज इतनी सी बात पर युवक ने उससे गाली गलौज करते हुए न केवल मारपीट शुरू कर दी। बल्कि ईंट मारकर उसके वाहन के सामने का शीशा भी तोड़ दिया। जिसके बाद कार में बैठ कर फरार हो गया। बहरहाल, श्रीराम बोरवेल्स गाड़ी चालक रामस्वामी की रिपोर्ट पर चक्रधर पुलिस आरोपी युवक के खिलाफ धारा 115(2) 126(2), 296, 324(4), 351(2)-बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर उसकी पतासाजी में जुट गई है।

गर्भवती प्रेमिका को मौत के घाट उतारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। जिले में लिव इन रिलेशन में रह रही गर्भवती प्रेमिका को उसके प्रेमी ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मां के पेट में पल रहे नवजात की भी मौत हो गयी। घटना से एक दिन पूर्व ही प्रेमी के शराब पीने से परेशान होकर प्रेमिका उसे बिना बताए मायके चली गई थी। जिससे वह नाराज था। वही पंचनामा के दौरान डॉक्टरों की टीम को शरीर पर 40 से अधिक डंडे के निशान मिले हैं। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम जजगा निवासी राजीव दास महंत का गांव की ही युवती मनबसिया माझी (28) से प्रेम संबंध था। दोनों करीब दो वर्ष पूर्व से साथ रह रहे थे। इसी बीच मनबसिया 7 महीने की प्रेग्नेंट थी। राजीव दास के शराब पीने को लेकर दोनों के बीच लगातार विवाद होता था।

बीते शुक्रवार को राजीव दास गांव की ओर गया था। वह दोपहर करीब 2 बजे घर लौटा तो दुकान और घर का दरवाजा खुला था। घर में मनबसिया नहीं थी। पूछताछ में पता चला कि वह मायके चली गई है। उसे पड़ोसी पर भी शक था कि वह मनबसिया को उसके खिलाफ भड़काता है। इससे नाराज होकर राजीव दास अपने ससुराल पहुंचा और उसे बहला-फुसलाकर घर ले आया। घर वापस आने पर पहले तो राजीव दास ने महिला को कमरे के बाहर डंडे से पीटा। जब मनबसिया बेहोश हो गई तो उसे कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगाकर राजीव भाग गया। जब देर रात तक घर से कोई आवाज नहीं आई तो पड़ोसियों ने 112 डायल को सूचना दी। मौके पर पहुंची संयुक्त टीम ने ताला तोड़कर घर में अंदर प्रवेश किया। तो मनबसिया मृत पड़ी थी। आरोपी ने युवती को इतना पीटा था कि गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दूसरे दिन शव का पोस्टमॉर्टम कराया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी राजीव दास को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। जिसे कोर्ट से जेल भेज दिया गया है।

झारखंड से ला रहे थे 300 बोरी धान, हुआ जब्त

जशपुर। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ की जाएगी। जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी को कड़ा कर दिया गया है। धान की अवैध आवक रोकने के लिए जिले की सीमाओं पर 21 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इसी क्रम में दुलदुला तहसील के अंतर्गत राजस्व और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार रात बड़ी कार्रवाई की। टीम ने झारखंड राज्य के सिमडेगा जिले से अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 300 बोरी धान को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार तहसीलदार राहुल कौशिक और खाद्य निरीक्षक की टीम गश्त पर थी, तभी ग्राम रूसू करसाई (जिला सिमडेगा, झारखंड) से कुनकुरी की ओर जा रहे एक मज़दा वाहन को सपघरा चेकपोस्ट के समीप रोका गया। जांच में अवैध धान बरामद हुआ।

भारी वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पश्चिम एसईसीएल दीपका खदान क्षेत्र के न्यू सीएचपी, पीक्यूआर-1 ड्राइव हाउस के सामने सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक किसी निजी कंपनी में लोडर सहायक के रूप में कार्यरत था। हादसा उस समय हुआ जब खदान परिसर में भारी वाहनों की आवाजाही तेज थी। संभावना जताई जा रही है कि मृतक किसी डंपर या ट्रक की चपेट में आने से मौत हुई है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों, कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोप लगाया कि खदान क्षेत्र में भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही, ट्रैफिक मॉनिटरिंग की कमी और लंबे समय से लंबित सुरक्षा संबंधी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई न होने की वजह से ऐसे हादसे बार-बार हो रहे हैं।

वाहनों की गति नियंत्रण के लिए पुख्ता व्यवस्था, सुरक्षा गार्डों की पर्याप्त तैनाती करता और सीसीटीवी मॉनिटरिंग को सुदृढ़ करता, तो ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सकता था। हादसे के बाद लोगों ने जिला प्रशासन और श्रम विभाग से मांग की है कि दुर्घटना की पारदर्शी जाँच कराई जाए, खदान क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही के लिए मानक संचालन प्रक्रिया की समीक्षा की जाए, और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि दुर्घटना सोमवार देर रात की है एसईसीएल के दीपका खदान के पास इरेक्शन यार्ड के सामने हादसा हुआ है। जहां से बुड़गहन (बलौदा) निवासी निलेश पटेल (25) मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक अपनी बाइक सीजी-11-एटी-1005 में खदान में नियोजित निजी ट्रांसपोर्ट कंपनी से काम कर घर लौट रहा था। इसी दौरान मार्ग से तेज रफ्तार में गुजर रहे भारी वाहन ने उसकी बाइक को चपेट में ले लिया। बाइक समेत निलेश भारी वाहन के नीचे आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

अमित बघेल की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने पर इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। उन पर धार्मिक भावनाएं भड़काने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप हैं। रायपुर के देवेंद्रनगर और कोतवाली थानों में उनके खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी में सहयोग करने वालों को पांच हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। इस कदम के बाद अब जो भी व्यक्ति आरोपी की फरारी में मदद करेगा, उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी। रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि संगठन के प्रमुख के साथ अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ भी मुकदमे दर्ज किए गए हैं और सभी की तलाश जारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी धर्म, समाज या समुदाय के प्रति भड़काऊ या आपत्तिजनक टिप्पणी न करें।

पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आरोपी अमित बघेल के रायपुर के रोहणीपुरम स्थित घर पर तलाशी ली जा चुकी है। इसी तरह संगठन के अन्य नेताओं अजय यादव और शिवेंद्र वर्मा के घरों में भी पुलिस टीम पहुंची थी, हालांकि किसी की गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक भगवान अग्रसेन और सिंधी समाज के ईष्टदेव को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में न केवल छत्तीसगढ़ के चार जिलों में, बल्कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में भी एफआईआर दर्ज की गई है। इन राज्यों की पुलिस टीमें भी आरोपी से संबंधित जानकारी साझा कर रही हैं।

तलवार लहराकर राहगीरों को डरा रहे युवक को पुलिस ने दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

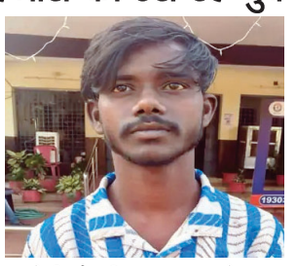

भिलाई। सुपेला थाना का रहने वाला युवक गुंडा बनने के शौक में अपने घर से करीब 25 किलोमीटर दूर नंदिनी-अहिवारा क्षेत्र में लोगों के बीच दहशत कायम करने तलवार लहरा रहा था। नंदिनी नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दहशत फैलाने वाले बदमाश को धर-दबोचा। आरोपी एक लोहे के तलवारनुमा धारदार हथियार को लहराते हुए लोगों को डराने-धमकाने की हरकत कर रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से तलवारनुमा हथियार जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की गई है। घटना 10 नवंबर दोपहर करीब 12:30 बजे की है। पुलिस को सूचना मिली कि चंचल प्यूलस के पास, नंदिनी टाउनशिप क्षेत्र में एक युवक धारदार तलवारनुमा हथियार लेकर लोगों को भयभीत कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना नंदिनी नगर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को घेराबंदी कर मौके पर ही पकड़ लिया। आरोपी की पहचान अमन समुद्रे (22 वर्ष) निवासी रावण भाठा, शंकर नगर, थाना सुपेला जिला दुर्ग के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपी भिलाई में भी लोगों के बीच दहशत फैलाने का काम रहा था।

उसके कुछ दोस्त नंदिनी-अहिवारा में भी रहते हैं। उनके बीच अपनी धौंस दिखाने के लिए वो बीच सड़क पर राहगीरों को हथियार दिखा कर डरा-धमका रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

चोरनी कहने पर दो बच्चों को फेंका कुएं में

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान गंड़ई जिले के ग्राम झूरानदी में दो मासूम भाई-बहन की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया हैं,रविवार दोपहर गांव के पास स्थित एक बाड़ी के कुएं में राधिका उर्फ वैषाली वर्मा (2 वर्ष) और करण वर्मा (4 वर्ष) के शव मिलने से हड़कंप मच गया,गांव में मातम जैसा माहौल बन गया और परिजन बदहवास स्थिति में पुलिस के पास पहुंचे,मामले में पुलिस ने खुलासा किया है और एक नाबालिक बालिका को गिरफ्तार किया गया हैं।

खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिले के छुईखदान थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव झूरानदी में यह पूरी घटना हुई जहां 2 साल की राधिका और 4 साल की करण की कुएं में लाश बरामद की गई थी,घटना की सूचना ग्रामीणों के द्वारा दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की ड्यूटी प्रथम दृष्टि मामला संदिग्ध नजर आने के कारण पुलिस द्वारा गांव में आसपास में पूछताछ की गई जिसमें पूछताछ में पड़ोस में ही रहने वाले एक नाबालिक बालिका पर संदेह जताया और उससे पूछताछ की जिसमें बालिका ने अपने आप को इन बच्चों के द्वारा चोरनी कहकर पुकारने के कारण आवेश में आकर इस पूरी घटनाक्रम को अंजाम दिया और दोनों बच्चे जब खेल रहे थे तो उन्हें कुएं में धक्का दे दिया जिससे दोनों बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई। इस पूरे मामले में पुलिस ने खुलासा किया है और दोनों बच्चों की हत्या के मामले में नाबालिक बालिका को रिमांड पर भेजा गया है और पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है,खैरागढ़ के एडिशनल एसपी नितेश कुमार गौतम ने बताया कि इस पूरे मामले में पुलिस ने तत्परता से कार्य किया और दोनों मासूम की हत्या के मामले में एक नाबालिक बालिका को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और पूछताछ की गई और उसे विधिवत कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेवल्स संचालक-पत्नी ने हज के नाम पर 37 लाख ठगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में इस्लामिक धार्मिक आस्था के नाम पर मुस्लिम परिवार के लोगों से 37 लाख रुपए ठगी हुई है। कटघोरा के रूही टूर एंड ट्रेवल्स के संचालक और उसकी पत्नी ने सउदी अरब के उमरा यात्रा कराने का झांसा देकर 16 लोगों से पैसे वसूल लिए। लेकिन, जब वीजा और टिकट देने की बारी आई तो दोनों पति-पत्नी भाग गए।

मामला दो साल पहले का है, जिसमें अब शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, ट्रेवल्स वाले आखिरी दिन तक घुमाते रहे। मिली जानकारी के अनुसार तारबाहर क्षेत्र में रहने वाले शेख अकरम (53) ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। इसमें उन्होंने बताया कि दो साल पहले उन्होंने अपने रिश्तेदारों के साथ सउदी अरब के उमरा जाने का प्लान बनाया था। इसके लिए सितंबर से 29 नवंबर 2023 के बीच अलग-अलग किस्तों में ऑनलाइन और कैश मिलाकर कुल 37 लाख 24 हजार एजेंसी ने लिए।

पैसे वसूली कर नहीं बनवाया वीजा

पैसे वसूली करने के बाद वसीम अली ने सभी यात्रियों को कहा था कि 27 जनवरी 2024 की सुबह 7:25 बजे हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस से मुंबई रवाना होना है। वहां से फ्लाइट द्वारा सऊदी अरब की यात्रा होगी। लेकिन, जब यात्रा की तारीख नजदीक आई, तब पता चला कि किसी का वीजा नहीं बना है। जब 25 जनवरी को शेख अकरम और उनके साथी वसीम अली से मिलने कटघोरा पहुंचे, तो उन्होंने बहानेबाजी किया। साथ ही भरोसा दिलाया कि दो दिन बाद यात्रा पर जाएंगे। उसने सभी को तैयार रहने को कहा।

पति-पत्नी ने बंद कर लिया मोबाइल

जिसके बाद 27 जनवरी की सुबह जब यात्रियों ने उन्हें फोन किया, तो वसीम और उनकी पत्नी दोनों के मोबाइल बंद मिले। इस दौरान तीर्थ यात्री उसके ऑफिस भी गए, जहां ताला बंद मिला। लोग जब उनके घर पहुंचे, तो वो घर पर ताला लगाकर भाग चुके थे। आखिर में जब रुपए नहीं मिले तो उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि वसीम और रेश्मा ने धार्मिक भावनाओं को आहत कर फायदा उठाकर ठगी की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अब छत्तीसगढ़ में हर साल 10,000 युवा सीखेंगे आधुनिक तकनीक, आईटीआई कॉलेजों में आएगा बड़ा बदलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुजरात के गांधीनगर स्थित NAMTECH का भ्रमण किया। यह संस्थान मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी की पढ़ाई को नवीन और आधुनिक तरीके से सिखाने के लिए जाना जाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गुजरात महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पवित्र भूमि है, जिसने पूरे देश को विकास, आत्मनिर्भरता और नवाचार का संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ में भी ऐसे संस्थान स्थापित हों, जहाँ युवाओं को आधुनिक तकनीक और औद्योगिक प्रशिक्षण का अवसर मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार, तकनीकी ज्ञान और उद्योगों से जोड़ने की दिशा में तेज़ी से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कॉलेज पहुंचकर वहाँ की शिक्षण पद्धति, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और तकनीकी सुविधाएँ ध्यानपूर्वक देखीं। उन्होंने छात्रों से बातचीत की और यह जाना कि वे किस प्रकार प्रोजेक्ट्स और मशीनों पर कार्य करते हुए व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनके अनुभवों और भविष्य की योजनाओं के बारे में भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि अब राज्य के आईटीआई कॉलेजों को इस तरह विकसित करने की योजना है, जिससे युवाओं को स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई तकनीकों की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में आधुनिक मशीनें और डिजिटल प्रशिक्षण सुविधाएँ शुरू की जाएंगी, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ वास्तविक कार्य कौशल भी विकसित कर सकें। NAMTECH कॉलेज के प्रबंधन ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि गुजरात में उन्होंने एक ऐसा मॉडल अपनाया है, जिसके अंतर्गत कॉलेजों को आपस में जोड़कर शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। वहाँ के छात्र अब नई तकनीक सीखकर सीधे उद्योगों में काम करने में सक्षम हो रहे हैं। कॉलेज प्रबंधन ने यह भी बताया कि वे छत्तीसगढ़ में भी इसी प्रकार सहयोग करने के इच्छुक हैं, ताकि राज्य के आईटीआई कॉलेज भी आधुनिक बन सकें। योजना है कि कुछ कॉलेजों को जोड़कर एक नेटवर्क मॉडल तैयार किया जाए, जहाँ एक कॉलेज नई तकनीक में दक्ष हो और वही ज्ञान अन्य कॉलेजों तक पहुँचाए। यह नया मॉडल छत्तीसगढ़ में लागू होने से हर वर्ष लगभग 10,000 से अधिक युवाओं को नई तकनीक और आधुनिक उद्योगों से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकेगा। इससे छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त होगा। वे मशीनों, ऑटोमेशन और नई इंजीनियरिंग विधियों की गहराई से समझ विकसित कर सकेंगे। इस प्रकार उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और वे देश के बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट्स में कार्य करने के लिए तैयार हो सकेंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताक़त हैं। छत्तीसगढ़ अब ऐसे युवाओं को तैयार कर रहा है, जो नई सोच और आधुनिक तकनीक के साथ विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सचिव एस. भारतीदासन तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लौहपुरुष की विरासत को और सशक्त बनायाः मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से की मुलाकात और दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत पर्व हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है। यहां भारत के हर राज्य की संस्कृति, परंपरा और गौरव एक साथ देखने को मिलते हैं। कार्यक्रम में दिल्ली के उप राज्यपाल वी के सक्सेना और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि भारत पर्व उनकी 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित हो रहा है, जिसका समापन धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती — राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस — पर होगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत के सांस्कृतिक और भावनात्मक एकीकरण का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की भव्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रतिमा भारत की एकता की पहचान है।

उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रतिमा के निर्माण का निर्णय लिया, तब देश के हर गांव से लोहा मंगवाया गया था — यह सच्चे अर्थों में एक भारत का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरदार पटेल ने रियासतों को जोड़कर एक भारत बनाया, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके सपनों के भारत को सशक्त करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय लेकर सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत में सनातन संस्कृति के वैभव को पुनः स्थापित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार पटेल के परिजनों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया, और जब पूरे देश ने यह दृश्य देखा तो सभी भावविभोर हो उठे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज देश की विरासत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व के हाथों में है, जो सरदार पटेल की सोच और आदर्शों को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हाल ही में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की झांकी ने एकता परेड में हिस्सा लिया और पूरे देश को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में हुए आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का वंदे मातरम् और सरदार पटेल की एकता की भावना — यही हमारी राष्ट्रीय पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार पटेल ने सिविल सेवा ढांचे का भारतीयकरण किया, और आज भी हमारे प्रशासनिक तंत्र में उनकी दूरदृष्टि और सोच झलकती है।

भारत पर्व के दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रस्तुति देने आए छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से भी मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मंत्री कश्यप ने बस्तर में रखी 11 करोड़ 82 लाख रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा देते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज बस्तर विकासखंड की चार ग्राम पंचायतों—खण्डसरा, पखनाकोंगेरा, कोटगढ़ और तुरपुरा-1 में कुल 11 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं में सिंचाई, जलसंसाधन, पेयजल, सड़क निर्माण और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण से जुड़ी योजनाएँ शामिल हैं, जो आने वाले समय में ग्रामीण जीवन को नई दिशा प्रदान करेंगी।

मंत्री कश्यप ने खण्डसरा ग्राम पंचायत में कोटगढ़ नाला पर एनिकट निर्माण और ग्रामीण जलापूर्ति सुधार योजना का भूमिपूजन किया, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 298.50 लाख रुपए है। इसी प्रकार पखनाकोंगेरा में मावली माता मंदिर के पास एनिकट निर्माण तथा जल संरक्षण संबंधी कार्यों की आधारशिला रखी गई, जिनकी लागत लगभग 298.71 लाख रुपए निर्धारित की गई है। कोटगढ़ ग्राम पंचायत में राजेपारा मार्ग एवं नाली निर्माण कार्यों के साथ-साथ जलस्रोतों के सुदृढ़ीकरण की योजनाओं का शुभारंभ हुआ, जबकि तुरपुरा-1 में हाई स्कूल के सामने पुलिया निर्माण और तालाब गहरीकरण जैसे कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिनकी कुल लागत लगभग 5.30 लाख रुपए है।

श्री कश्यप ने ग्रामीणों से इन विकास कार्यों के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया और कहा कि जब जनता स्वयं इन योजनाओं की जिम्मेदारी उठाएगी, तभी विकास का सच्चा उद्देश्य पूरा होगा। इस अवसर पर जनपद पंचायत बस्तर के अध्यक्ष श्री संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दीवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रगति की नई पहचान बना बस्तर

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ये योजनाएँ न केवल ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करेंगी, बल्कि कृषि, रोजगार और जल संरक्षण को भी नई गति देंगी। उन्होंने कहा कि बस्तर अब पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रगति की नई पहचान बन चुका है। सरकार का उद्देश्य हर गाँव तक विकास की रोशनी पहुँचाना है ताकि कोई भी क्षेत्र पिछड़ा न रह जाए।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः स्वच्छ ऊर्जा की ओर प्रेरक पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुंगेली जिले में अब तक 06 हजार 110 नागरिकों द्वारा आवेदन किए जा चुके हैं, जिससे आमजनों में योजना को लेकर उत्साह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इसी कड़ी में महाराणा प्रताप वार्ड मुंगेली के श्री प्रेमु दास खांडे ने प्रेरणादायक पहल करते हुए अपने घर की छत पर 03 किलोवॉट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किया है।

श्री खांडे ने बताया कि सूर्य की अनंत ऊर्जा को अपनाकर हर घर अपनी विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर सकता है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है, बल्कि भविष्य में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इस योजना को तेजी से आम नागरिकों तक पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। योजना के तहत सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित करने पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 30 हजार से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। बता दें कि शासन द्वारा 01 किलोवॉट पर 45 हजार रूपए, 02 किलोवॉट पर 90 हजार रूपए तथा 03 किलोवॉट पर 01 लाख 08 हजार रूपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। प्रेमु दास खांडे की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि जब सरकार की योजनाएं और नागरिकों की दूरदर्शिता एक साथ आती हैं, तो ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होता है।

जशपुर में चमका कोरिया का 'अमृत ब्रांड': बिहान की दीदियों के हुनर ने जीता लोगों का दिल, बिक्री ने बढ़ाया आत्मविश्वास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के मायाली पर्यटन स्थल में 06 से 09 नवम्बर 2025 तक आयोजित जम्बूरी महोत्सव एवं बिहान क्षेत्रीय सरस मेले में कोरिया जिले के 'कोरिया अमृत' ब्रांड ने अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई। मेले में कोरिया जिले की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए पारंपरिक और पौष्टिक उत्पादों ने खरीदारों का ध्यान आकर्षित करते हुए बिक्री में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

मेले में कोरिया अमृत मोदक लड्डू, कोरिया अमृत अचार एवं सुगंधित चावल सहित विभिन्न उत्पादों की मांग विशेष रूप से बढ़ी। स्वाद, गुणवत्ता और घर की पारंपरिक विधि से निर्मित होने के कारण खरीदारों ने इन उत्पादों की जमकर प्रशंसा की।

ग्राम पंचायत आनी के ज्योति एवं माँ शारदा महिला स्व-सहायता समूह ने कोरिया अमृत मोदक लड्डू बेचकर 45,000 रुपए का व्यवसाय किया। ग्राम पंचायत छिंदिया के जागृति महिला स्व-सहायता समूह ने कोरिया अमृत अचार की बिक्री द्वारा 24,000 रुपए से अधिक की आय अर्जित की। महिला युग एफपी.सी. द्वारा सुगंधित चावल की बिक्री से 12,000 रुपए का कारोबार हुआ। इस प्रकार 80 हजार रूपए से अधिक की बिक्री दर्ज की गई, जो कोरिया जिले इन महिलाओं को आत्मविश्वास को और मजबूत किया है।

मेले में कमिश्नर सरगुजा, कलेक्टर जशपुर सहित अन्य अधिकारियों ने 'कोरिया अमृत' स्टॉल का निरीक्षण करते हुए उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की तथा स्वयं खरीदारी भी की। इससे समूहों का उत्साह और भी बढ़ा। कोरिया कलेक्टर चंदन त्रिपाठी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोरिया जिले के महिला स्व-सहायता समूहों को विपणन, पैकेजिंग और ब्रांडिंग से जोड़कर नए बाजार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कोरिया की महिलाएँ अब 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं।

बस्तर में शांति, सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकताः उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान आज बीजापुर जिला कार्यालय के इन्द्रावती सभागार में बीजापुर और सुकमा जिले के जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, सरपंचों तथा समाज प्रमुखों, मांझी, चालकी, गायता, पुजारी और पटेलों से संवाद किया।

इस बैठक में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बस्तर को अमन, चैन, शांति और सुरक्षा के साथ विकास के पथ पर अग्रसर करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार हर हाल में बस्तर को हिंसा मुक्त करने के लिए संकल्पित है। बस्तर में शांति, सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि वर्षों से बस्तर संभाग के आदिवासी अंचल विकास से वंचित रहे हैं, पर अब समय आ गया है कि सभी मिलकर बस्तर को शांति और प्रगति के मार्ग पर ले जाएँ। श्री शर्मा ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय गृहमंत्री ने सशस्त्र नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए समयसीमा तय की है। इसी दिशा में शासन की 'पुनर्वास नीति 2025' के अंतर्गत बड़ी संख्या में माओवादी संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम प्रमुखों से आग्रह किया कि वे भटके हुए युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए पहल करें। श्री शर्मा ने कहा कि यदि समय रहते पुनर्वास नहीं किया तो सुरक्षा बल अपनी जिम्मेदारी निभाएँगे। जो लौट आएंगे, उनका लाल कालीन बिछा कर स्वागत किया जाएगा और उनके सुनहरे भविष्य के लिए सरकार संकल्पित है।

गृहमंत्री ने बताया कि जगदलपुर में 210 माओवादी एक साथ हथियारों छोड़कर पुनर्वास कर चुके हैं, जिनमें 92 युवा बीजापुर जिले के हैं। ये सभी पुनर्वास केंद्र में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित परिवारों से अपील की कि वे अपने पुनर्वासित परिजनों से मिलने जरूर जाएँ ताकि उन्हें भी प्रोत्साहन मिले एवं अन्य भटके हुए युवाओं को भी लौटने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने बताया कि वे स्वयं पूर्वर्ती गांव की नक्सल लीडर हिड़मा की वृद्ध माता से मिलकर उनके पुत्र को हिंसा छोड़ने और समाज की मुख्यधारा में आने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर संबित मिश्रा, डीएफ ओ रंगानाथन रामाकृष्णन वाय, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे, उपनिदेशक इन्द्रावती टाइगर रिजर्व संदीप बलगा, सहित जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, सरपंच, समाज प्रमुख एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950